सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 277 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, मंगलवार 21 जुलाई 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायगढ़ में बंदरों के उत्पात से ग्रामीण भयभीत, दर्जनों घायल

रायगढ़। रायगढ़ विकासखंड के ग्राम चिराईपानी में इन दिनों बंदरों के आतंक से ग्रामीण भयभीत हैं। पिछले कुछ दिनों से आक्रामक बंदरों के झुंड ने गांव में उत्पात मचा रखा है। राहगीरों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। ग्रामीणो की शिकायत के बाद वन विभाग ने उत्पात मचा रहे बंदर का रेस्क्यू किया। चिराईपानी के ग्रामीणों के अनुसार गांव में बंदरों के अचानक हिंसक हो जाने से लोगों का घरों से निकलना तक मुश्किल हो गया है। बंदरों के काटने से घायल लोगों का उपचार नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में कराया गया, जहां चिकित्सकों ने एंटी-रेबीज टीके लगाने की सलाह दी है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम पिंजरे, विशेष जाल और आवश्यक उपकरणों के साथ ग्राम चिराईपानी पहुंची। टीम ने एक आक्रामक बंदर को सफलतापूर्वक पकड़ लिया गया है।

धान रोपाई के लिए जा रहे श्रमिकों से भरी ट्रैक्टर पलटी

बिलासपुर। हिर्री थाना क्षेत्र के मुड़पार गांव में मंगलवार सुबह धान रोपाई के लिए जा रहे श्रमिकों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में ट्रॉली में सवार दो श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हो गए। घायलों में कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। हिर्री क्षेत्र के मुड़पार गांव के श्रमिक गांव के ही एक किसान के खेत में धान की रोपाई करने ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर जा रहे थे। मंगलवार की सुबह कच्ची सड़क से गुजरते समय ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया और खेत में पलट गया।

निर्माणाधीन टनल पर लैंडस्लाइड, 10 मजदूरों की मौत

नामची। सिक्किम में सोमवार को एक टनल पर लैंडस्लाइड होने से उसका एंट्री गेट बंद हो गया, जिससे अंदर मौजूद 27 मजदूर फंस गए। इनमें से 10 की मौत हो गई। मृतकों में 3 की पहचान अभी नहीं हो पाई है, जबकि 17 मजदूर अब भी फंसे हैं। नामची जिले के मामरिंग स्थित समरदुंग सुरंग में निर्माण कार्य चल रहा था। एसपी सोनम डोल्मा ने बताया कि फंसे हुए मजदूरों की संख्या 27 से कम या ज्यादा भी हो सकती है। सुरंग में मीथेन गैस लीक होने की आशंका है। कई बचावकर्मियों को अंदर जाने के दौरान चक्कर आए।

पीएम मोदी ने ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री दी बधाई

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में पदभार संभालने पर एंडी बर्नहम को बधाई दी है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और ब्रिटेन साझा लोकतांत्रिक मूल्यों से जुड़े हुए हैं और दोनों देशों के बीच कई क्षेत्रों में मजबूत सहयोग है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा कि भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार, निवेश, तकनीक, रक्षा और दोनों देशों के लोगों के बीच संबंधों को लेकर व्यापक सहयोग है। उन्होंने कहा कि भारत और ब्रिटेन की द्विपक्षीय साझेदारी और भी मजबूत होने की उम्मीद है।

नारायणपुर में रेशम कृमि व कोसापालन ने बदली वनांचल के ग्रामीणों की तकदीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के वनांचल जिले नारायणपुर में रेशम विकास एवं विस्तार योजनाएं ग्रामीणों के जीवन में एक स्वर्णिम बदलाव की नई कहानी लिख रही हैं। जिला प्रशासन और कलेक्टर के कुशल मार्गदर्शन में संचालित मलबरी और टसर रेशम योजनाओं ने न केवल स्थानीय स्तर पर आजीविका के नए द्वार खोले हैं, बल्कि महिलाओं और युवाओं को अपने ही गांव में सम्मानजनक रोजगार देकर आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है।

नारायणपुर और कुसरतराई में स्थित दो मलबरी केंद्रों में लगभग 22.5 एकड़ क्षेत्र में पौधारोपण विकसित किया गया है। यहाँ महिला स्व-सहायता समूहों के सदस्य उन्नत तकनीकों से रेशम कृमिपालन कर रहे हैं। वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित 4,400 किलोग्राम ककून उत्पादन लक्ष्य के मुकाबले 4,180 किलोग्राम का सफल उत्पादन हासिल किया गया।

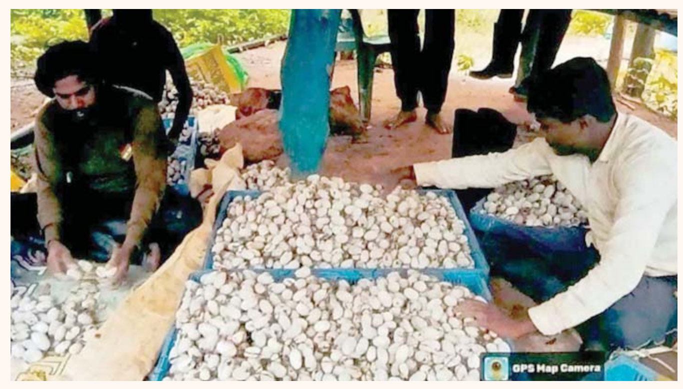

टसर रेशमः लक्ष्य से परे जाकर रचा नया कीर्तिमान

जिले के चार प्रमुख टसर केंद्रों नारायणपुर, कुसरतराई, गोटाजुन्हरी और एडका के 62 हेक्टेयर क्षेत्र में संचालित टसर कृमिपालन ने इस वर्ष सफलता के नए आयाम छुए हैं। वर्ष 2025-26 में 8.52 लाख कोसाफल उत्पादन के लक्ष्य के मुकाबले 9.73 लाख से अधिक कोसाफल का बम्पर उत्पादन दर्ज किया गया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से जुड़े 64 हितग्राहियों को लगभग 36.97 लाख रूपए की सीधी आय अर्जित हुई।

इस गतिविधि से जुड़े 47 हितग्राहियों के बैंक खातों में 7.72 लाख रूपए से अधिक की राशि सीधे अंतरित की गई।

कृमिपालन के साथ-साथ पौधारोपण संरक्षण और निराई-गुड़ाई जैसे कार्यों ने ग्रामीणों को पूरे साल रोजगार से जोड़े रखा।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला विवाहित बेटी भी अनुकंपा नियुक्ति की हकदार

पिता की मौत के बाद बैंक आफ महाराष्ट्र द्वारा विवाहित बेटी को अनुकंपा नियुक्ति देन से किया था इंकार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि केवल विवाहित होने के आधार पर किसी बेटी को मृतक कर्मचारी के आश्रित होने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि शादी के बाद बेटी अपने माता-पिता के परिवार की सदस्य नहीं रहती, यह धारणा लैंगिक रूढ़िवादिता पर आधारित और संविधान के समानता के सिद्धांत के विपरीत है।

न्यायमूर्ति संजय के. अग्रवाल की एकलपीठ ने अफीफा खान उर्फ देवांगी चौधरी द्वारा दायर याचिका को स्वीकार करते हुए बैंक आफ महाराष्ट्र द्वारा अनुकंपा नियुक्ति का आवेदन खारिज करने का आदेश निरस्त कर दिया। अदालत ने बैंक को निर्देश दिया कि सुप्रीम कोर्ट के

कुलसुम निशा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2026) के निर्णय के आलोक में 30 दिनों के भीतर आवेदन पर नए सिरे से फैसला लिया जाए।

याचिकाकर्ता के पिता देवाशीष चौधरी बैंक आफ महाराष्ट्र में डिप्टी मैनेजर थे। सेवा के दौरान उनके निधन के बाद इकलौती बेटी अफीफ खान ने अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन किया था। बैंक ने यह कहते हुए आवेदन अस्वीकार कर दिया कि वह विवाहित हैं और विवाह के बाद पति पर आश्रित मानी जाएंगी, इसलिए पिता के परिवार की आश्रित सदस्य नहीं हैं। याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि बैंक की कार्रवाई संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 16 का उल्लंघन है। बैंक की नीति में केवल आश्रित पुत्री का उल्लेख है, विवाहित पुत्री को अपात्र घोषित नहीं किया गया है। दूसरी ओर बैंक ने 2022 के एक सुप्रीम कोर्ट फैसले का हवाला देते हुए अपने निर्णय का बचाव किया, लेकिन हाई कोर्ट ने कहा कि बाद में आए कुलसुम निशा (2026) के निर्णय ने विधि की स्थिति स्पष्ट कर दी है।

हाई कोर्ट ने दिया सुप्रीम कोर्ट का हवाला

हाई कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि शादी के बाद भी बेटी का अपने माता-पिता से संबंध समाप्त नहीं होता। विवाहित बेटों को आश्रित मानने में कोई रोक नहीं, जबकि विवाहित बेटियों को बाहर करना लैंगिक भेदभाव है। किसी व्यक्ति के आश्रित होने का निर्धारण उसकी वास्तविक आर्थिक स्थिति से होगा, केवल वैवाहिक स्थिति से नहीं।

बैंक का आदेश रद्द

अदालत ने पाया कि बैंक ने बिना किसी तथ्यात्मक जांच के केवल विवाह के आधार पर यह मान लिया कि याचिकाकर्ता अपने पिता पर आश्रित नहीं थी। हाई कोर्ट ने बैंक आफमहाराष्ट्र के 27 अक्टूबर 2025 के आदेश को रद्द करते हुए निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता के आवेदन पर नए सिरे से विचार किया जाए। बैंक को सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित कानूनी सिद्धांतों के अनुरूप 30 दिनों के भीतर कारणयुक्त निर्णय लेने का आदेश दिया गया है।

मालगाड़ी के छह डिब्बे बेपटरी, दिल्ली गाजियाबाद रेलखंड पर कई ट्रेनें रद्द

नई दिल्ली। गाजियाबाद-नई दिल्ली रेलखंड पर मंगलवार को एक मालगाड़ी के छह लदे हुए डिब्बे पटरी से उतर जाने से रेल यातायात प्रभावित हो गया। हादसे के बाद उत्तर रेलवे ने कई ईएमयू और पैसेंजर ट्रेनों को रद्द, आंशिक रूप से रद्द तथा मार्ग परिवर्तित कर संचालित किया। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार इस घटना के कारण कुल 53 ट्रेनों का परिचालन प्रभावित हुआ। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई ट्रेनों का मार्ग बदला, कुछ ट्रेनों को रद्द किया तथा कुछ का संचालन आंशिक रूप से निरस्त किया। राहत की बात यह रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि या किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे की इंजीनियरिंग और परिचालन टीमें तुरंत बहाली कार्य में जुट गईं ताकि रेल यातायात को जल्द से जल्द सामान्य किया जा सके। उत्तर रेलवे के अनुसार, इस दुर्घटना के चलते 24 ट्रेनों का मार्ग दिल्ली-नई दिल्ली होकर परिवर्तित किया गया। इसके अलावा 16 यात्री ट्रेनों को पूरी तरह रद्द करना पड़ा, जबकि पांच यात्री ट्रेनों को आंशिक रूप से रद्द किया गया। वहीं आठ ट्रेनों का संचालन नियंत्रित (रेगुलेट) किया गया, जिनमें आनंद विहार की ओर जाने वाली ट्रेनें भी शामिल हैं।

एनडीए की बैठक में बोले पीएम - नीट पेपर लीक के दोषियों को मिलेगी सख्त सजा

■ **मानसून सत्र के बीच मंगलवार को हुई एनडीए संसदीय दल की बैठक**

नईदिल्ली। संसद के मानसून सत्र के बीच मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक 'मंगल मिलन' संसद पुस्तकालय भवन के जी.एम.सी. बालयोगी ऑडिटोरियम में आयोजित की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सभी प्रमुख दलों के सांसद और वरिष्ठ नेता शामिल हुए। इस बैठक के दौरान संसद के मानसून सत्र की रणनीति, सरकार के विधायी एजेंडे और विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही एनडीए के सभी सहयोगी दलों के बीच बेहतर समन्वय और सदन में एकजुट होकर सरकार का पक्ष रखने पर भी जोर दिया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एनडीए संसदीय दल की बैठक में कहा कि नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में सरकार ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने बैठक के बाद यह जानकारी दी। रिजिजू के मुताबिक, प्रधानमंत्री ने कहा कि नीट पुनर्परीक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई और छात्रों का भविष्य प्रभावित न हो, इसलिए बिना किसी देरी के परिणाम घोषित किए गए। प्रधानमंत्री ने बैठक में यह भी बताया कि पेपर लीक की घटना सामने आते ही सरकार ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 13 लोगों को गिरफ्तार

किया। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल लोगों को जेल भेजा गया है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त व्यवस्था की गई है।

एफटीए पर किसानों के हितों का भरोसा

किरेन रिजिजू के अनुसार प्रधानमंत्री ने विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता किसानों का कल्याण है और हर व्यापार समझौता देश और किसानों के हितों को ध्यान में रखकर किया जाएगा। किरेन रिजिजू का यह बयान ऐसे समय आया है, जब कथित नीट-यूजी 2026 पेपर लीक को लेकर सीजेपी का विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। सोमवार को पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात कर अपनी मांगें रखीं। वहीं, संसद की ओर निकाले गए मार्च के दौरान प्रदर्शन हिंसक हो गया था।

बिलासपुर-रायपुर व कोरबा रूट की 8 ट्रेनें 22 और 23 जुलाई को कैंसिल, बढ़ेगी परेशानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में भाटापारा और हथबंध स्टेशनों के बीच तीसरी लाइन सेक्शन पर ऑटो सिग्नलिंग कमीशनिंग के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) काम किया जाएगा। इसके चलते 22 और 23 जुलाई को बिलासपुर, रायपुर, कोरबा और गेवरा रोड रूट की 8 मेमू और पैसेंजर ट्रेनों को कैंसिल कर दिया गया है। जिससे यात्रियों की मुसीबतें बढ़ जाएंगी।

रेलवे प्रशासन का दावा है कि बिलासपुर रेलवे जोन में इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट का काम तेजी से चल रहा है। इस काम को जल्द पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। ताकि, इससे यात्रियों को सुविधाएं मिल सके। इस कड़ी में तीसरी लाइन का कार्य भी चल रहा है।

रद्द होने वाली गाड़ियां

- 22 जुलाई को गाड़ी संख्या 68728 रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।
- 22 जुलाई को गाड़ी संख्या 68734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।
- 22 जुलाई को गाड़ी संख्या 68733 गेवरा रोड-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।
- 22 जुलाई को गाड़ी संख्या 68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।
- 22 जुलाई को गाड़ी संख्या 58203 कोरबा-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी।

- 22 जुलाई को गाड़ी संख्या 58204 रायपुर-कोरबा पैसेंजर रद्द रहेगी।
- 22 जुलाई को गाड़ी संख्या 68746 रायपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।
- 23 जुलाई को गाड़ी संख्या 68745 कोरबा-रायपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी।

इसके तहत रायपुर मंडल के भाटापारा-हथबंध स्टेशनों के मध्य तीसरी लाइन सेक्शन में ऑटो सिग्नलिंग कमीशनिंग का काम किया जाएगा। इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। 22 जुलाई को 68862/68861 झारसुगुड़ा-गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू बिलासपुर स्टेशन पर ही समाप्त और यहीं से प्रारंभ होगी। इस दौरान बिलासपुर-गोंदिया-बिलासपुर के बीच इसका संचालन रद्द रहेगा।

संपादकीय

विश्वसनीय हो स्क्रैपिंग

पुराने वाहनों के निस्तारण हेतु भरोसा ज़रूरी

हरियाणा में पुराने वाहनों को चलन से बाहर करने के लिये सरकार ने जिन प्रोत्साहन स्कीमों की घोषणआ की है, वह समय की जरूरत है। हरियाणा सरकार ने वैज्ञानिक तरीके से गाड़ियों को स्क्रैप करने के लिये पांच प्रोत्साहन योजनाएं शुरू करने का फैसला किया है। जो पुरानी गाड़ियों को देखने के नजरिये में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकती हैं। दरअसल, पुरानी हो चुकी गाड़ियों को सिर्फ कबाड़ नहीं माना जाना चाहिए, यदि उनका कायदे से निस्तारण हो तो आर्थिक लाभ के साथ पर्यावरण की रक्षा भी की जा सकती है। कुछ लोग अपने वाहन की देखभाल इतने कायदे से करते हैं कि उसे कबाड़ कहना, उनकी भावना को ठेस पहुंचाने जैसा है। दरअसल, अब राज्य सरकार की नई पॉलिसी इन वाहनों को कबाड़ मानने के बजाय, उन्हें रीसाइकिल होने वाले मेटीरियल, ग्रीन जॉब्स प्रदाता और साफ हवा के स्रोत के रूप में दर्शाती है।

❝ निस्संदेह, यह कदम अर्थव्यवस्था में योगदान की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, भारत में 3.4 करोड़ से अधिक पुराने वाहन हैं। जिनमें दो करोड़ दो पहिया और 1.2 करोड़ चार-पहिया वाहन शामिल हैं। इनमें बड़ी संख्या में वाहन अभी सड़कों में चलाए जा रहे हैं। दरअसल, पुरानी गाड़ियां नये मॉडल की तुलना में काफी अधिक मात्रा में पार्टिकुलेट मैटर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड छोड़ती हैं। जिससे एक ओर वायु प्रदूषण बढ़ता है, वहीं लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। दरअसल, वैज्ञानिक स्क्रैपिंग से कीमती स्टील, एल्युमीनियम, तांबा और प्लास्टिक को दोबारा से हासिल किया जा सकता है। जिससे नये कच्चे माल पर निर्भरता कम हो सकती है। साथ ही उत्पादन में ऊर्जा की खपत भी घटती है।

निस्संदेह, यह कदम अर्थव्यवस्था में योगदान की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, भारत में 3.4 करोड़ से अधिक पुराने वाहन हैं। जिनमें दो करोड़ दो पहिया और 1.2 करोड़ चार-पहिया वाहन शामिल हैं। इनमें बड़ी संख्या में वाहन अभी सड़कों में चलाए जा रहे हैं। दरअसल, पुरानी गाड़ियां नये मॉडल की तुलना में काफी अधिक मात्रा में पार्टिकुलेट मैटर, नाइट्रोजन ऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड छोड़ती हैं। जिससे एक ओर वायु प्रदूषण बढ़ता है, वहीं लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है।

दरअसल, वैज्ञानिक स्क्रैपिंग से कीमती स्टील, एल्युमीनियम, तांबा और प्लास्टिक को दोबारा से हासिल किया जा सकता है। जिससे नये कच्चे माल पर निर्भरता कम हो सकती है। साथ ही उत्पादन में ऊर्जा की खपत भी घटती है। दरअसल, हरियाणा सरकार की प्रोत्साहन योजनाएं - कैपिटल सब्सिडी, स्टांप ड्यूटी की वापसी,एसजीएसटी रिफंड, ब्याज में मदद और स्किल डेवलपमेंट- अधिकृत स्क्रैपिंग और रीसाइक्लिंग सुविधाओं में निवेश को आकर्षित करने के लिये बनायी गई है। लेकिन इस पॉलिसी की सफलता सिर्फ इंडस्ट्री की भागीदारी पर ही निर्भर नहीं करेगी। गाड़ी मालिकों को भी स्वेच्छा से इसमें शामिल करने के लिये प्रोत्साहित करना होगा। तमाम परिवारों के लिये, पुरानी गाड़ी सिर्फ घटती कीमत वाली संपत्ति नहीं है, बल्कि रोजी-रोटी का जरिया भी होती है। जब तक उन्हें उचित मुआवजा,आसान प्रक्रियाएं और अधिकृत स्क्रैपिंग सेंटर्स तक सुविधाजनक पहुंच नहीं मिलेगी, तब तक कई लोग अनौपचारिक सेक्टर पर ही निर्भर रहेंगे। ऐसे में गैर-कानूनी तौर पर गाड़ियों को तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। वहीं लोगों को जागरूक बनाने और स्वेच्छा से स्क्रैपिंग के लिये प्रोत्साहित करने की जरूरत है। निस्संदेह, सिर्फ नियम बनाने से हवा को साफ नहीं किया जा सकता। इसके लिये ऐसी नीतियां बनें, जो आर्थिक रूप से व्यावहारिक,पर्यावरण के अनुकूल और सामाजिक रूप से निष्पक्ष हों। यदि हरियाणा सरकार की पहल लक्ष्यों के बीच संतुलन बना पाती है तो यह टिकाऊ गतिशीलता के लिये एक राष्ट्रीय मॉडल बन सकता है। फिर बीते कल की गाड़ियां आने वाले कल के लिये संसाधन बन सकती हैं।

भारत-यूके सीईटीए: वादों को साकार करने का कदम

राजेश अग्रवाल

यूनाइटेड किंगडम के साथ भारत का 'व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए)' भारत के विदेशी व्यापार संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। जहां पिछले कम से कम दो दशकों से भारत का आर्थिक एकीकरण पूर्वी एशियाई देशों के साथ जुड़ा हुआ था, वहीं यूनाइटेड किंगडम 1970 के दशक से ही यूरोपीय आर्थिक एकीकरण का हिस्सा रहा है। दोनों ही अर्थव्यवस्थाओं के लिए, सीईटीए एक बहुत बड़े बदलाव और अपनी बाहरी आर्थिक साझेदारियों में विविधता लाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। जुलाई 2025 में हस्ताक्षर हो जाने जाने के बाद, सभी घरेलू कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करके सीईटीए 15 जुलाई 2026 को लागू हुआ। यह बातचीत से लेकर इसके लागू होने तक की संपूर्ण यात्रा को दर्शाता है। यह उत्सव मनाने की घड़ी और दोनों देशों के लिए अपने लंबे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने का अवसर भी है।

सीईटीए भारत के मैन्यूफैक्चरिंग आधार, सेवा क्षेत्र की मजबूती और वैश्विक स्तर पर हमारे कुशल श्रमशक्ति की मांग में भरोसे को दर्शाता है। इस समझौते की खूबी यह है कि इसमें श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए बाजार की सुलभता, सेवाओं की आवाजाही और आर्थिक सहयोग के नए क्षेत्रों को शामिल करने पर जोर दिया गया है। सीईटीए भरसक व्यापक है और यह भारत के नई पीढ़ी के व्यापार समझौतों के लिए एक आदर्श नमूना है।

इस समझौते का महत्व इसके पैमाने और संतुलन में भी निहित है। भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच आपसी व्यापार पहले ही लगभग 56 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है और दोनों देशों ने 2030 तक अपने व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। यह समझौता उस लक्ष्य को अपेक्षाकृत अधिक निश्चितता और सटीक पूर्वानुमान के साथ हासिल करने का ढांचा देने के साथ-साथ 'भारत-यूनाइटेड किंगडम रोडमैप 2030' की व्यापक रणनीतिक दिशा को भी दर्शाता है। यह समझौता उस विजन को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है और इसका असर समय के साथ दिखाई देगा।

इस समझौते की एक मुख्य विशेषता भारतीय निर्यातों के लिए बाजार की सुलभता सुनिश्चित करना है। भारतीय सामानों को यूनाइटेड किंगडम में लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों पर शुल्क-मुक्त पहुंच (ड्यूटी-फ्री एक्सेस) मिलेगा, जिसमें व्यापार मूल्य का लगभग शत-प्रतिशत हिस्सा शामिल होगा। इससे वस्त्र एवं परिधान, चमड़ा एवं फुटवियर, समुद्री उत्पाद, खेल का सामान, रत्न एवं आभूषण, खिलौने और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धात्मकता मजबूत होगी। इन क्षेत्रों का अनुमानित मूल्य लगभग 150 बिलियन अमेरिकी डॉलर है। ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें भारत के पास बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता, कौशल तथा निर्यात करने की काबिलियत है और जहां बाजार की सुलभता सीधे तौर पर नौकरियों एवं अधिक आमदनी के अवसरों में बदल सकती है। यूनाइटेड किंगडम के परिधानों एवं घरेलू वस्त्र बाजार में 6.8 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ एक बड़े आपूर्तिकर्ता के तौर पर, सीईटीए से भारत के वस्त्र एवं परिधान उद्योग को उल्लेखनीय प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। इससे चीन, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई आपूर्तिकर्ता देशों के साथ भारत के अंतर को पाटने में भी मदद मिलेगी। इससे भारत को यूनाइटेड किंगडम के 8.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के चमड़ा एवं फुटवियर बाजार में निर्यात करने का एक बड़ा मौका भी मिलेगा। यह समझौता सिर्फ टैरिफ में राहत से ही नहीं, बल्कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), छोटे व्यवसायों, कारीगरों और महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों के लिए अधिक नौकरियां तथा बाजार के अवसर सृजित करने से भी जुड़ा है।

यह समझौता खेती, मछली पालन और खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े निर्यात के लिए भी नई संभावनाएं खोलता है। साथ ही, इस समझौते को भारत के संवेदनशील क्षेत्रों जैसे कि डेयरी, सेब, अनाज और खाद्य तेल की सुरक्षा को ध्यान में रखकर बेहद सावधानी से तैयार किया गया है। इनमें से कुछ संवेदनशील उत्पादों को या तो बाहर रखा गया है या टैरिफरेट कोटा या फिर चरणबद्ध उदारीकरण के जरिए सुरक्षित किया गया है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था तेजी से सेवा-आधारित होती जा रही है और दोनों ही अर्थव्यवस्थाओं को इसमें तुलनात्मक रूप से ठोस फायदे हासिल हैं। सीईटीए में भारत के निर्यात की दृष्टि से अहम सभी बड़े सेवा क्षेत्र और 137 उप-क्षेत्र शामिल हैं। इनमें आईटी एवं आईटी-आधारित सेवाएं, वित्तीय एवं पेशेवर सेवाएं, व्यवसाय संबंधी परामर्श (बिजनेस कंसल्टिंग), शिक्षा, दूरसंचार, आर्किटेक्चर और इंजीनियरिंग शामिल हैं। इस समझौते में नई वित्तीय सेवाएं देने और फिनटेक, रेगटेक एवं वित्तीय क्षेत्र में विविधता से संबंधित सहयोग से जुड़ी प्रतिबद्धताएं भी शामिल हैं।

भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच यह नया आर्थिक गलियारा मुख्य रूप से पेशेवरों की आवाजाही (प्रोफेशनल मोबिलिटी) से संबंधित है। सीईटीए अनुबंध-आधारित सेवा प्रदाताओं, व्यवसाय के लिए आने वाले लोगों, एक ही कंपनी के भीतर स्थानांतरित होने वाले कर्मचारियों और स्वतंत्र पेशेवरों के लिए आसान रास्तों का प्रावधान करता है। सीईटीए व्यावसायिक योग्यताओं को आपसी सहमति से मान्यता देने का एक ऐसा ढांचा भी तैयार करता है, जिसमें आपसी हित वाली व्यावसायिक सेवाओं की पहचान करने और ऐसे समझौतों को पूरा करने की एक स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित की गई है। सीईटीए भारत के सांस्कृतिक तथा पेशेवर प्रतिभाओं को भी मान्यता देता है और 1,800 भारतीय शेफ, योग प्रशिक्षकों और शास्त्रीय संगीतकारों के लिए हर वर्ष मौके प्रदान करेगा। इससे स्पष्ट होता है कि आवाजाही का मतलब सिर्फ कुछ खास पेशेवरों की ही आवाजाही नहीं है, बल्कि इसका संबंध उन श्रेणी की प्रतिभाओं से भी है जिनमें भारत के पास यूनाइटेड किंगडम को प्रदान करने के लिए कुछ खास है।

भारतीय पेशेवरों के लिए एक और अहम फायदा दोहरी अंशदान संधि (डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन) है, जो सीईटीए के साथ ही लागू हुई। इससे भारतीय कर्मचारियों और उनके नियोक्ताओं को यूनाइटेड किंगडम में पांच वर्ष तक सामाजिक सुरक्षा अंशदान (सोशल सिक्योरिटी कंट्रीब्यूशन) करने से छूट मिलेगी। वार्षिक रूप से लगभग 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का यह सामाजिक सुरक्षा अंशदान उन भारतीय पेशेवरों के लिए एक तरह का 'संक कॉस्ट' यानी वापस नहीं मिलने वाला खर्च था, जो यूनाइटेड किंगडम में कम समय या अस्थायी काम के लिए तो जाते थे, लेकिन पेंशन या अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभों को पाने के लिए जरूरी समय तक वहां नहीं रुक पाते थे। लगभग 75,000 भारतीय पेशेवरों और उनके नियोक्ताओं के लिए यह एक बड़ी राहत है।

कोई भी आधुनिक 'मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए)' सामानों एवं सेवाओं तक बाजार की पहुंच के पारंपरिक दायरे से आगे बढ़कर सहयोग के नए क्षेत्रों को शामिल करेगा। सीईटीए ने सरकारी खरीद, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) और व्यापार तथा पर्यावरण, श्रम, लैंगिक समानता एवं भ्रष्टाचार-रोधी उपाय जैसे सतत विकास से जुड़े विषयों में संतुलित नियम अपनाए हैं।

ये आधुनिक व्यापार समझौतों के नए आयाम हैं। सरकारी खरीद के मामले में, सीईटीए ने 'सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए सार्वजनिक खरीद नीति आदेश' के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को प्राथमिकता देने की भारत की नीतिगत गुंजाइश को बनाए रखा है। इसके अलावा जहां यूनाइटेड किंगडम के आपूर्तिकर्ता 'श्रेणी-II' के स्थानीय आपूर्तिकर्ता के तौर पर हिस्सा लेने के पात्र होंगे, वहीं भारतीय आपूर्तिकर्ताओं को 'श्रेणी-I' के स्थानीय आपूर्तिकर्ता के तौर पर प्राथमिकता मिलती रहेगी। इसी तरह, भारत ने आईपीआर से संबंधित अध्याय पर व्यापक बातचीत की है। साथ ही, जरूरत पड़ने पर अनिवार्य लाइसेंस देने या अन्य लचीले प्रावधानों का उपयोग करने का अधिकार भी पूरी तरह अपने पास सुरक्षित रखा है।

इस समझौते का व्यापक महत्व भारत के 'विकसित भारत 2047' के विजन के साथ पूरी तरह मेल खाता है। दोनों साझेदारों के सामने अब विविध क्षेत्रों में किए गए वादों को लागू करने की चुनौती है। सीईटीए के लागू होने के साथ, भारत और यूनाइटेड किंगडम के पास आने वाले दशकों में एक ठोस, रचनात्मक एवं जन-केन्द्रित साझेदारी बनाने का एक दुर्लभ मौका है।

लेखक वाणिज्य विभाग के सचिव हैं

कला की आजादी जरूरी है पर देश की सम्प्रभुता से बढ़कर नहीं

पवन के. वर्मा

आजादी के बाद से भारत के विरुद्ध कोई अलगाववादी आंदोलन सफल नहीं हुआ है। इसका श्रेय लोकतंत्र द्वारा उपलब्ध कराए गए उपकरणों के साथ ही जरूरी परिस्थितियों में राज्य की दृढ़ प्रतिक्रिया को भी जाता है। फिल्म 'सतलुज' को लेकर उपजे विवाद को इसी संदर्भ में देखा जाना चाहिए। क्या कलात्मक स्वतंत्रता में यह अधिकार भी शामिल है कि स्वतंत्र भारत के सबसे रक्तरंजित उग्रवादी आंदोलनों में से एक के इतिहास का अत्यंत सिलेक्टिव संस्करण प्रस्तुत किया जाए? दूसरी तरफ, क्या राज्य के पास भी इसके प्रदर्शन को रोकने का अधिकार है? ये कठिन प्रश्न हैं, क्योंकि इनमें लोकतंत्र के दो उद्देश्यों का आमना-सामना होता है- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सार्वजनिक व्यवस्था व राष्ट्रीय अखंडता बनाए रखने की जिम्मेदारी। किसी फिल्म पर प्रतिबंध लगाना अकसर उलटा असर ही डालता है। डिजिटल युग में सेंसरशिप शायद ही कभी सफल होती है। इसके विपरीत, प्रतिबंध कई बार पीड़ित होने की छवि भी गढ़ देता है। ऐसी फिल्म, जिसे सामान्य परिस्थितियों में शायद सीमित दर्शक ही मिलते, अचानक प्रतिबंधित सत्य का आभामंडल प्राप्त कर लेती है और उसकी पाइरेटेड प्रतियां व्यापक रूप से फैल जाती हैं। लेकिन प्रतिबंध अकसर प्रभावी नहीं होते, इसका यह अर्थ नहीं कि किसी फिल्म में इतिहास के चित्रण पर प्रश्न नहीं उठाए जा सकते।

पंजाब का उग्रवाद एक सशस्त्र अलगाववादी अभियान था, जिसका उद्देश्य भारत को तोड़ना था। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, इसमें 12,000 से अधिक निर्दोष नागरिक, लगभग 1,800 सुरक्षाकर्मी, तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह तथा 8,000 उग्रवादी मारे गए थे। इसके अलावा, जून 1985 में एयर इंडिया की उड़ान 'कनिष्क' को भी खालिस्तानी उग्रवादियों ने अटलांटिक महासागर के ऊपर बम विस्फोट से उड़ा दिया था। विमान में सवार सभी 329 लोगों की मृत्यु हो गई थी। भारत के खिलाफ इस साजिश में पाकिस्तान की भूमिका थी। आईएसआई ने पंजाब में उग्रवादी संगठनों को प्रशिक्षण, हथियार और पैसा उपलब्ध कराया था। रेडियो प्रसारण और प्रचार के माध्यम से अलगाववादी भावनाओं को भड़काने का प्रयास किया जाता था।

समय के साथ कई उग्रवादी संगठन आपराधिक गिरोहों में बदल गए। फिरौती के लिए अपहरण आम बात हो गई। जबरन वसूली एक संगठित व्यवस्था का रूप ले चुकी थी। व्यापारियों को तथाकथित टैक्स देने के लिए मजबूर किया जाता था। जो इनकार करते, उनकी हत्या कर दी जाती थी। पुलिसकर्मियों की भी हत्याएं की गईं। सरकार से मिलीभगत के संदेह में गांवों के नेताओं की भी हत्या कर दी जाती थी।

पंजाब में भय का वातावरण व्यापक हो गया था। देश एक असाधारण परिस्थिति का सामना कर रहा था। उसका मुकाबला शांतिपूर्ण राजनीतिक असहमति या संवैधानिक विरोध से नहीं था। वह ऐसे संगठित सशस्त्र समूहों से जूझ रहा था, जो आतंक के माध्यम से संवैधानिक व्यवस्था को उखाड़ फेंकने के लिए कमर कसे हुए थे।

हालांकि इससे यह निष्कर्ष नहीं निकलता कि जहां कहीं भी राज्यसत्ता की ओर से अति हुई, वहां उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं थी। फर्जी मुठभेड़ों, जबरन गुमशुदगी और न्यायेतर हत्याओं के विश्वसनीय आरोपों का उल्लेख पत्रकारों, नागरिक अधिकार संगठनों और न्यायिक जांचों में दर्ज है। एक संवैधानिक लोकतंत्र में कानून के राज को स्थायी रूप से निलंबित नहीं किया जा सकता। हर गैरकानूनी हत्या की निष्पक्ष जांच होनी ही चाहिए। लेकिन असाधारण उग्रवादी आंदोलनों से निपटने के लिए कई बार अत्यंत कठिन ऑपरेशनल निर्णय लेने पड़ते हैं। ब्रिटेन के आईआरए के खिलाफ अभियान से लेकर स्पेन के ईटीए के विरुद्ध संघर्ष और श्रीलंका के एलटीटीई के खिलाफ युद्ध तक- सभी लोकतांत्रिक देशों ने ऐसे द्वंद्वों का सामना किया है।

यदि कोई फिल्म राज्यसत्ता की कथित ज्यादतियों पर ही ध्यान केंद्रित करती है और सशस्त्र उग्रवादियों के सुनियोजित आतंकी-अभियान को लगभग पूरी तरह नजरअंदाज कर देती है, तो वह इतिहास का विकृत चित्र प्रस्तुत करती है, जिसका उद्देश्य वस्तुनिष्ठ व्याख्या करना नहीं, बल्कि उकसाना होता है।

धर्म की आड़ में आस्था से विश्वासघात: मंदिरों के चढ़ावे में अनियमितताओं पर गंभीर सवाल

सुरेश सेठ

भारत की धार्मिक आस्था उसकी सबसे बड़ी सांस्कृतिक शक्ति है लेकिन मंदिरों के चढ़ावे में कथित वित्तीय अनियमितताओं ने श्रद्धालुओं के विश्वास को झटका दिया है।

विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोगों की आस्था के बीच भारत की छवि विविधतापूर्ण देश की है। यही इसकी खूबसूरती है। इसे आस्था से परिपूर्ण धर्मपरायण देश भी माना जाता है। यहां करोड़ों लोग अपने-अपने धर्म का समर्पित भाव से पालन करते हैं। इससे उन्हें जीवन में नैतिकता से लेकर मर्यादा तक की सीख मिलती है। वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए संतुष्ट भाव से जीवन जीते हैं। यह धर्मपरायणता ही है कि जहां बड़ी संख्या में लोग अमरनाथ की दुरूह यात्रा करते हैं और तमाम कष्ट सह कर तथा खतरे का सामने करते हुए भी अपनी आस्था व्यक्त करते हैं। इसी तरह लाखों लोग कुंभ स्नान के लिए एक स्थान पर जुट जाते हैं।

यानी हमारी धार्मिक मान्यताएं इतनी गहरी हैं कि एक विश्वास के सहारे हम पूरा जीवन गुजार देते हैं। मोक्ष और मुक्ति की उम्मीद लिए चलते रहते हैं। हम अपने देश में आस्था के विभिन्न रूप देखते हैं और उनका सम्मान करते हैं। मगर देश को धर्म और धार्मिकता के अंतर को भी समझना होगा। मनुष्य के लिए धर्म महत्त्वपूर्ण है। मगर जिस तरह से पिछले कई वर्षों में धार्मिकता का दोहन किया गया और आस्था को ठेस पहुंचाई गई, यह चिंता का विषय है।

सामूहिक रूप से धर्म के प्रति समर्पित होना कोई गलत नहीं। इसी से हमने अपना सांस्कृतिक इतिहास रचा है और मन की शांति के लिए अपने धर्मस्थलों का निर्माण किया है। इनमें श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या भी है। कारसेवकों के बलिदान और त्याग के बाद मंदिर का निर्माण हुआ। जब इसका उद्घाटन हुआ था, तो देश-विदेश में लाखों लोग पूजा-अर्चना कर रहे थे और अपना जन्म सफल कर रहे थे, लेकिन इस सामूहिक धार्मिकता में आडंबर आ गया। फिर इसी के साथ शुरू हो गया आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला। देखते ही देखते वोटों की राजनीति भी शुरू हो गई।

पिछले दिनों देशवासियों को व्यथित करने वाली जानकारी सामने आई। पता चला कि श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में चढ़ाई गई राशि में भारी गोलमाल हुआ है। सवाल है कि मंदिर में न्यास होने और पूरी व्यवस्था के बावजूद दान तथा चढ़ावे की चोरी कैसे और क्यों हुई? ताज्जुब है कि लाखों-करोड़ों रुपए इधर से उधर होते रहे और इसकी भनक तक नहीं लगी। जिम्मेदार लोग आंखें मूंदे रहे। इन जिम्मेदार लोगों में न्यास के कर्ताधर्ता-सदस्य, नोट गिनने वाले लोग और गिनवाने वाले बैंक तथा उन पर नजर रखने वाले सीसीटीवी कैमरे के संचालक सब शामिल थे। सवाल यह है कि इन सबके रहते अमानत में खयानत कैसे होती रही। शुरू में तो विश्वास ही नहीं हुआ कि चढ़ावे की राशि भी गायब की जा सकती है। विवाद गहराया और लोगों का आक्रोश बढ़ा, तो सरकार हरकत में आई और एसआइटी गठित कर दी। इसने जो पहली रिपोर्ट दी, उसमें चिंता की बात यही थी कि चोरी हुई है। चढ़ावे को गिनने के स्थान पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरे से पता चल रहा था कि मंदिर में चोरी हुई। जिन आरोपियों को संदेह के घेरे में लिया गया, उनकी और परिवारजनों की संपत्ति में बढ़ोतरी देखी गई।

यह बेहद निराशाजनक है कि निगरानी तंत्र में गंभीर खामियां पाई गईं। हर स्तर पर कोताही दिखी। जब इस पर भारी वाद-विवाद होने लगा, तो राजनीतिक खांचों में बंटे लोग आमने-सामने आ गए। इस मुद्दे पर अजीब तस्वीर सामने आने लगी। मंदिर संचालकों में भी कई लोग बंटे नजर आए। जब न्यास की बैठक हुई तो कोषाध्यक्ष ही मुखर दिखाई दिए। वैसे तो कोषाध्यक्ष का दायित्व बड़ा होता है, लेकिन यहां पता चला कि वे तो रुपए और चढ़ावा गिनने के बाद जो रिपोर्ट आती थी, उसी का ही हिसाब-किताब रखते थे।

गौरतलब है कि कुछ लोगों को जिम्मेदार ठहराए जाने के बाद जिस तरह की राजनीति होने लगी, उससे लोगों की आस्था डगमगा गई। इस प्रकरण के बाद बद्रीनाथ मंदिर में भी अनियमितता की खबरें आने लगीं। इस मामले में जांच हुई, तो समिति के अध्यक्ष के निजी सहायक को निलंबित कर दिया गया और बाद में उसकी गिरफ्तारी भी हुई। यह मामला तब सुर्खियों में आया, जब सोशल मीडिया पर मंदिर में चढ़ावे की गिनती के दौरान कथित गड़बड़ी के वीडियो और आरोप सामने आए। एक संगठन ने शिकायत दर्ज कर निष्पक्ष जांच और प्राथमिकी की मांग की थी। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उत्तराखंड सरकार ने पिछले सप्ताह तीन सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच समिति बनाई। राम मंदिर के बाद बद्रीनाथ धाम और फिर दूसरे मंदिरों में वित्तीय अनियमितताओं की जिस तरह की खबरें आ रही हैं, इससे लगता है कि धर्म की आड़ में आस्था से विश्वासघात किया जा रहा है। इस तरह धर्म के नाम पर आडंबर और राजनीति में देश उलझ गया है।

राजनीतिक और सामाजिक बहसों में यह तर्क भी दिया जाता है कि जिन्होंने मंदिर बनाने में कोई त्याग नहीं किया, उनको इस मामले में नहीं बोलना चाहिए। फिर एक और मत भी जनता के सामने रखा जाता है कि जिस व्यक्ति ने अपनी पूरी आयु लगा कर मंदिर को संभव बनाया वह ऐसा नहीं हो सकता। अगर उनके सहयोगी दान और चढ़ावे में घपला करते पकड़े जाएं, तो इसमें उनका क्या दोष? जिस व्यक्ति पर ठीकरा फोड़ा गया, वह न्यास के महासचिव का चालक था। विचित्र बात है कि बड़े लोगों पर दोषपूर्ण प्रबंधन और लापरवाही के आरोप लगते हैं, लेकिन पकड़े जाते हैं साधारण लोग। आज इस पूरे परिदृश्य को देख कर आम आदमी स्तब्ध है। वह सोच रहा है कि यह कैसा माहौल है, जहां धर्म-कर्म से जुड़े लोग ही अधर्म करते रहे और उनकी आस्था को ठेस पहुंचाते रहे। काजल की कोठरी से प्रमुख चेहरों को बेदाग निकालने की कोशिश भी लोगों को बेचैन करती रही। होना तो यह चाहिए कि जो दोषी हैं उनको कठघरे में लाया जाए। केवल छोटी मछलियां पकड़ कर ही नहीं बैठ जाना चाहिए, हो सकता है कि बड़े मगरमच्छ अब भी कहीं छिपे हुए हों। उन्हें पकड़ना आवश्यक है, क्योंकि अगर उनको पकड़ा नहीं गया, तो आरोपों और कुप्रबंधन का यह सिलसिला चलता रहेगा। भविष्य में भी चढ़ावे सुरक्षित नहीं रहेंगे।

इन स्थानों पर पर जो करोड़ों का चढ़ावा चढ़ता है, उसे तहखानों में बंद करके रखने के बजाय उसके वित्तीय प्रबंधन की पुख्ता व्यवस्था हो। धार्मिक स्थल तो आत्मशुद्धि और आत्म परिष्कार का स्थान है। वहां लोगों ने अपने गाढ़े पसीने की जो कमाई चढ़ावे में दी है, उसका इस्तेमाल वंचित वर्ग की बेहतरी के लिए होना चाहिए। इससे शिक्षा संस्थान खोले जाएं। दान राशि से अस्पताल और वृद्धाश्रम भी खोले जा सकते हैं। ये सुझाव किसी को क्रांतिकारी लगते हैं, तो इसे दरकिनार कर सवालों का सामना तो किया जाए।

मिट्टी की महिमा

धरती माँ की गोद में, पलते
हम इंसान।
मिट्टी से है जीवनी, माटी है
पहचान।।

माटी से मिलती हमें, स्नेह
सुधा रसधार।
'सुषमा' महिमा गा रही,
यह जीवन आधार।।

मिट्टी से जीवन खिला, मिट्टी
है आधार।
इस माटी के गर्भ में, पोषण
नित भंडार।।

गढ़ता रूप कुम्हार जब,
मिट्टी का रख मान।
माटी की क़ीमत सदा,
माटी से है शान।।

कण-कण में भगवान हैं,
मिट्टी से है आस।
सौंधी है मनभावनी, दृश्य
उकेरे खास।।

चल दी आत्मा छोड़ तन,
मृतक दाह संस्कार।
माटी में माटी मिली, माटी
से उद्धार।।

सुषमा प्रेम पटेल (रायगढ़/रायपुर छ.ग.)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

भिलाई निगम ने सेक्टर-6 ए मार्केट की दुकानों का किया सर्वे, हुई नपाई

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार निगम क्षेत्र में संपत्तिकर निर्धारण एवं आरोपण की प्रक्रिया को गति देते हुए बीएसपी क्षेत्र में निर्मित भवनों एवं भूमियों का परिमाप (माप) और सर्वे कार्य लगातार किया जा रहा है। इसी कड़ी में सोमवार को सेक्टर-6 ए मार्केट स्थित दुकानों का विस्तृत माप एवं सर्वे किया गया। निगम द्वारा संचालित इस अभियान का उद्देश्य बीएसपी क्षेत्र में स्थित व्यावसायिक एवं अन्य परिसरों का वास्तविक क्षेत्रफल दर्ज कर संपत्तिकर का वैज्ञानिक एवं पारदर्शी निर्धारण करना है। सर्वे के दौरान दुकानों के आयाम, निर्मित क्षेत्र एवं अन्य आवश्यक जानकारियों का रिकॉर्ड तैयार किया गया, जिससे भविष्य में कर निर्धारण की प्रक्रिया अधिक सटीक और व्यवस्थित हो सके। नगर निगम प्रशासन का कहना है कि संपत्तिकर सर्वे अभियान चरणबद्ध तरीके से पूरे निगम क्षेत्र में संचालित किया जा रहा है। इससे कर व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी, राजस्व संग्रह में वृद्धि होगी तथा निगम को शहर के विकास कार्यों के लिए अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध होंगे।

प्रगतिशील किसान जवाहर की याद में श्रद्धांजलि सभा 23 जुलाई

भिलाई। जिला बालोद स्थित ग्राम चौरेल के प्रगतिशील किसान जवाहर सिंह चंद्राकर का निधन विगत 13 जुलाई को हो गया। वे आजीवन कृषि के प्रति समर्पित रहे। अगासदिया परिवार के संयोजक व प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. परदेशी राम वर्मा ने बताया कि स्व. जवाहर सिंह चंद्राकर जीवन भर गांव में रहे। उनकी श्रद्धांजलि सभा 23 जुलाई गुरुवार को ग्राम चौरेल में रखी गई है। उनके सुपुत्र कमलेश चंद्राकर उन्हें अक्सर भिलाई लेकर आते थे लेकिन कुछ दिन यहां रहकर फिर चौरेल चले जाते थे। अपनी जमीन अपना गांव,अपने साथी,गांव की गलियां,चौरेल का विराट मंदिर परिसर,गांव के पास की नदी,पैरी क्षेत्र उन्हें फिर गांव आने पर मजबूर कर देता था। हाल ही में भिलाई आए तो लोगों ने उनसे आशीर्वाद लिया था।

जिले में अब तक 351.1 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

दुर्ग। जिले में 1 जून 2026 से 20 जुलाई 2026 तक 351.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 477.6 मिमी तहसील बोरी में तथा न्यूनतम 247.5 मिमी. तहसील धमधा में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील दुर्ग में 391.9 मिमी, तहसील पाटन में 381.4 मिमी, तहसील भिलाई-3 में 316.7 मिमी और तहसील अहिवारा में 291.3 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। 20 जुलाई 2026 को तहसील दुर्ग में 28.2 मिमी, तहसील धमधा में 16.8 मिमी, तहसील पाटन में 5.8 मिमी, तहसील बोरी में 15.5 मिमी, तहसील भिलाई 3 में 12.6 मिमी और तहसील अहिवारा में 8.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है।

सामाजिक विसंगतियों पर सुनाई रचनाएं, तीजन बाई को भी दी काव्यात्मक श्रद्धांजलि

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। साहित्यकार डॉ. प्रेम कुमार पांडेय के विट्ठल पुरम, एफ-ब्लॉक 503 भिलाई-तीन स्थित आवास पर काव्य संध्या का आयोजन 18 जुलाई की शाम किया गया। आयोजन में कई राष्ट्रीय स्तर के ख्याति प्राप्त कवियों, गीत कारों और कलमकारों ने अपनी उत्कृष्ट रचनाओं की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि विजया भारती थी। अध्यक्षता दिव्या सक्सेना ने की। समारोह का संचालन कवि गजेंद्र द्विवेदी ने किया। काव्य संध्या में पारुल पांडेय ने अपनी रचना 'शौक' का पाठ किया। संजय मैथिल ने अपनी कविताओं 'मोबाइल भावनाओं से दूर' और 'जमाने वाले' के माध्यम से समाज की दुर्बलताओं पर करारी चोट की।

युसूफ सागर ने 'बात पते की बोल गया हूँ' और 'ये दुनिया पागलखाना है' के जरिए पारिवारिक मूल्यों का चित्रण किया। रियाज़ खान गौहर ने अपनी रचना 'जिंदगी भर वो जलाते रहे' से महफिल में समां बांध दिया। मनमोहन मतवाला ने अपनी पंक्तियों 'यूं तो जज्बात लिए चलता हूँ' से दर्शकों का

दिल जीता और अपने गीत 'मन झूमता है' के जरिए स्व. तीजन बाई को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। युवा पीढ़ी का प्रतिनिधित्व कर रहे ओम पांडेय ने अपनी कविताओं 'रंगमंच' और 'कोहरा' के माध्यम से समाज की वर्तमान स्थिति पर प्रासंगिक प्रश्न खड़े किए।

डॉ. नौशाद अहमद सिद्दीकी ने 'बरसात के आलम का गुजर देख रहा हूँ', हंसता हुआ मैं 'खुद पे नगर देख रहा हूं। जैसी बेहतरीन रचनाओं से श्रोताओं को आनंदित किया। छगनलाल सोनी ने अपनी क्षणिकाओं 'मतदान लोकतंत्र की हार का महा उत्सव' और 'हवा एक विचारधारा है' से सभी का ध्यान आकर्षित किया। संतराम वर्मा ने मंच पर जगदीश चक्रधारी की रचना को बेहद खूबसूरती से प्रस्तुत किया। संचालन कर रहे गजेंद्र द्विवेदी ने अपनी रचना 'दिन रात का क्या है गुजर ही जायेगा' से श्रोताओं का मन मोह लिया। डॉ. आर.बी. कुशवाहा की रचना 'विश्व गुरु' पर सदन में जमकर तालियां बजीं। समापन करते हुए डॉ. प्रेम कुमार पांडेय ने अपनी रचनाओं 'भूख' और 'पाखंड' के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं पर गहरा व्यंग्य किया। इस दौरान जयप्रकाश अग्रवाल, सुजाता और प्रतिमा पाण्डेय सहित अन्य लोग उपस्थित थे। सभी का आभार प्रतिमा पांडेय ने व्यक्त किया।

ज्यादा सोचने से तन मन की बिमारियों का आगमन करे प्राणायाम और राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास

ज्यादा सोचने पर विजय कार्यक्रम में हैदराबाद से आए बाला किशोर ने दिए टिप्स

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कार्य के सफल या असफल होने में हमारे संकल्पों का अहम योगदान होता है ,हमारे मन के विचारों से हमारा मस्तिष्क प्रभावित होता है, मन में आने वाले विचारों से ही हमें सुख और दुख की अनुभूति होती है। बिना ब्रेक के जरूरत से ज्यादा सोचना तन और मन की बीमारियों द्वारा बुढ़ापे को जल्दी निमंत्रण देना है। यह बातें प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा ज्यादा सोचने की आदत पर विजय ओवरकमिंग ओवर थिंकिंग विषय पर सेक्टर-7, स्थित पीस ऑडिटोरियम में आयोजित सत्र में हैदराबाद से पधारे मुख्य वक्ता ब्रह्माकुमार बाला किशोर जी ने व्यक्त किए।

सच्चाई और कहानी से जुड़े विचारों के संबंध में उन्होंने बताया कि मौसम, ट्रैफिक समस्या, दूसरों का आचरण सच्चाई है जिसे हम कंट्रोल नहीं कर सकते है। इसके विपरीत निगेटिव व्यर्थ विचारों की कहानी जो हम एक के बाद एक विचारों की श्रृंखला से अनुमान द्वारा घने काले बादलों से घिर जाते हैं।

जिससे बचने गहरी श्वांस, प्राणायाम, राजयोग मेडिटेशन, तटस्थता का भाव धारण करे।

उन्होंने श्रीमद भगवत गीता के श्लोक कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन। मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥ के बारे में बताया कि तुम्हारा अधिकार केवल कर्म करने में है, उसके फलों में कभी नहीं। इसलिए तुम अपने कर्मों के फल का कारण मत मानो और न ही कर्म न करने में आसक्त हो। व्यर्थ और निगेटिव विचार जंगल के समान होते है जो बढ़ते ही जाते है और सकारात्मक विचारों से सुंदर बगिया(गार्डन) बन हमारा जीवन तनावमुक्त रहता है। जिसकी सम्हाल हमें करनी है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने क्लोज द पॉपअप,क्लिक द पॉपअप, गेम्स और विभिन्न एक्टिविटी द्वारा अत्यधिक सोचने से बचने के उपायों को समझाया।

सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। भिलाई सेवाकेंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि शरीर की व्याधि के लिए हम भोजन में नमक,शक्कर का सेवन कंट्रोल करते है,वैसे ही बोलने सोचने में भी कंट्रोल करने से हमारे तन, मन के लिए रिश्तों के लिए हमारे जीवन के लिए वरदान है।

इस मौके पर डिवाइन ग्रूप के बच्चों ने सुंदर सांस्कृतिक नृत्य द्वारा सभा में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम के अंत में सभी को वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी प्राची दीदी द्वारा राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का शिक्षा, चिकित्सा,रिसर्च स्कॉलर ,व्यापार जगत से जुड़े प्रबुद्धजनो ने बड़ी संख्या में लाभ लिया।

स्वास्थ्य कर्मियों की मांगों को लेकर शासन को पत्र

भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री सैय्यद असलम ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया से प्रदेश के स्वास्थ्य कर्मचारियों की मूलभूत मांगों की ध्यान आकृष्ट कराते हुए शीघ्र निराकरण की मांग की है। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि लंबे समय से स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न कैडरों की मांगे शासन स्तर और संचालनालय स्तरों पर लंबित है। इनमें वेतन विसंगति, एक समय पर ओ पी डी संचालन, विभिन्न कैडरों की पदोन्नति , जीवन दीप समिति कर्मचारियों का नियमितीकरण और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की विभिन्न मांगों पर निर्णय लिया जाना चाहिए। सैय्यद असलम ने कहा फील्ड का कर्मचारी स्वास्थ्य सेवाओं को ऑनलाइन एंट्री करने 20 पोर्टल मे दर्ज कर रहा है। उसके साथ इनकी जानकारी ऑफलाइन भी रखता है क्योंकि अधिकांश पोर्टल सुरक्षित नहीं है।

सीएम पोर्टल की शिकायत पर निगम ने की कार्रवाई खुले में संचालित मांस-मटन दुकानों को कराया बंद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुश्री सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार नागरिकों की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से निगम द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सीएम पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के आधार पर निगम के जोन-3 राजस्व विभाग एवं बेदखली शाखा की संयुक्त टीम ने 18 नंबर रोड, कैम्प-01 क्षेत्र में खुले में संचालित मांस-मटन दुकान के विरुद्ध कार्रवाई की।

निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि संबंधित दुकान खुले में मांस-मटन का विक्रय कर रही थी, जिससे आसपास के क्षेत्र में

गंदगी फैलने के साथ-साथ आम नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। खुले में मांस विक्रय किए जाने से स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी नियमों का भी उल्लंघन हो रहा था। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए संबंधित संचालक को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक स्थानों पर खुले में मांस-मटन का विक्रय करना न केवल स्वच्छता व्यवस्था को प्रभावित करता है, बल्कि इससे संक्रमण एवं दुर्गंध जैसी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। ऐसे मामलों में निगम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सीएम पोर्टल सहित विभिन्न माध्यमों से प्राप्त नागरिक शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शहर में स्वच्छ, व्यवस्थित एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों एवं प्रतिष्ठानों के विरुद्ध बिना किसी भेदभाव के कठोर कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिक निगम भिलाई ने शहरवासियों से भी अपील की है कि वे स्वच्छता नियमों का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था, अतिक्रमण अथवा सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों की जानकारी सीएम पोर्टल अथवा निगम के संबंधित जोन कार्यालय में दें, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत बीएसपी में पूरा हुआ 40 प्रशिक्षुओं का ओरिएंटेशन एवं औद्योगिक प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) के अंतर्गत चयनित 40 प्रशिक्षुओं के लिए ओरिएंटेशन एवं औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जुलाई माह में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षुओं को औद्योगिक कार्यप्रणाली, संगठनात्मक संस्कृति तथा इस्पात उद्योग की उत्पादन प्रक्रियाओं से व्यावहारिक रूप से परिचित कराना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दो दिवसीय ओरिएंटेशन सत्र के साथ हुआ, जिसमें प्रशिक्षुओं को भिलाई इस्पात संयंत्र की कार्यप्रणाली, एकीकृत इस्पात संयंत्र की उत्पादन प्रक्रिया, औद्योगिक सुरक्षा, कार्यस्थल

अनुशासन तथा संगठनात्मक कार्य संस्कृति की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसके पश्चात दो दिवसीय संयंत्र भ्रमण का आयोजन किया गया, जिसके दौरान प्रशिक्षुओं ने संयंत्र की प्रमुख उत्पादन इकाइयों का अवलोकन कर विभिन्न औद्योगिक प्रक्रियाओं एवं आधुनिक उत्पादन प्रणालियों का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया।

उल्लेखनीय है कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (पीएमआईएस) का उद्देश्य युवाओं को शैक्षणिक शिक्षा के साथ उद्योगों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान कर शिक्षा एवं उद्योग के मध्य की दूरी को कम करना, उनकी रोजगार क्षमता का विकास करना तथा उन्हें भविष्य की औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाना है। यह योजना कुशल एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह कार्यक्रम महाप्रबंधक प्रभारी संजीव कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

भिलाई निगम का वर्षाजल संरक्षण से भू-जल स्तर बढ़ाने पर जोर

रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लेकर लोगों को किया जा रहा जागरूक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा शहर में भू-जल स्तर को संरक्षित एवं बढ़ाने के उद्देश्य से रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को लेकर लगातार जागरूकता एवं प्रोत्साहन अभियान चलाया जा रहा है। निगम द्वारा भवन एवं भूमि मालिकों से अपने परिसरों में वर्षाजल संरक्षण के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से स्थापित करने की अपील की जा रही है, ताकि आने वाले समय में जल संकट से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

निगम अधिकारियों ने बताया कि लगातार गिरते भू-जल स्तर को संतुलित बनाए रखने के लिए वर्षा जल का संचयन सबसे प्रभावी और वैज्ञानिक उपाय है। वर्षा के पानी को सीधे जमीन में पहुंचाकर जलभृत को पुनर्भरित किया जा सकता है, जिससे भू-जल की उपलब्धता में वृद्धि

होती है और प्राकृतिक जल स्रोत लंबे समय तक सुरक्षित बने रहते हैं। नगर निगम के अनुसार रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम को सरकारी भवनों, निजी संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, सामाजिक संस्थाओं तथा आवासीय परिसरों में आसानी से स्थापित किया जा सकता है। यह प्रणाली कम लागत वाली टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक है।

विशेषज्ञों के अनुसार वर्षा जल स्वाभाविक रूप से अपेक्षाकृत स्वच्छ एवं बैक्टीरिया रहित होता है, इसलिए इसके उपयोग के लिए अत्यधिक जल शुद्धिकरण की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके माध्यम से भू-जल का पुनर्भरण होने से सूखे की स्थिति का प्रभाव कम होता है, नदियों और अन्य प्राकृतिक जल स्रोतों के प्रवाह को बनाए रखने में सहायता मिलती है तथा जल प्रदूषण की समस्या में भी कमी आती है। सतही जल की तुलना में भू-जल अधिक सुरक्षित माना जाता है। रेन वाटर हार्वेस्टिंग के माध्यम से जल का वाष्पीकरण भी कम होता है, जिससे जल का संरक्षण बेहतर तरीके से हो पाता है। नगर पालिक निगम भिलाई ने शहरवासियों से अपील की है कि वे वर्षा ऋतु का अधिकतम लाभ उठाते हुए अपने घरों, भवनों और संस्थानों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करें।

भिलाई में स्ट्रीट लाइट व्यवस्था दुरुस्त

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई की आयुक्त सुरूचि सिंह के निर्देशानुसार शहर में नागरिकों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों के संधारण और मरम्मत का कार्य तेज गति से किया गया। निगम द्वारा विभिन्न प्रमुख मार्गों पर खराब लाइटों को सुधारकर पुनः चालू कर दिया गया है, जिससे रात के समय रोशनी की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित हुई है।

निगम द्वारा किए गए कार्यों के तहत मनसा आईटीआई से कुरूद स्थित राधारानी वाटिका तक स्ट्रीट लाइटों को सुचारू रूप से चालू कर दिया गया है। इस मार्ग पर हाई टेंशन पोल एवं कुछ रिक्त पोल होने के कारण जहां तकनीकी

आवश्यकता है, वहां आगे भी आवश्यक कार्य किए जाएंगे। इसी प्रकार सीएम कॉलेज रोड, कुरूद में नया टाइमर और मेन स्विच केबल लगाकर स्ट्रीट लाइट व्यवस्था को पुनः प्रारंभ किया गया है, जिससे क्षेत्र में रात के समय पर्याप्त प्रकाश उपलब्ध हो रहा है। इसके अलावा शहर के कई प्रमुख मार्गों पर भी बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों का संधारण कर उन्हें चालू किया गया है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश ही समृद्ध छत्तीसगढ़ की नींवः मंत्री टंक राम वर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश ही एक समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ की सच्ची नींव है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार राज्य में गुणवत्तापूर्ण, आधुनिक और संस्कारयुक्त शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, ताकि आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति से जुड़कर एक जिम्मेदार नागरिक बन सके।

राज्य के विद्यालयों में छात्रों को भारतीय ज्ञान-परंपरा, नैतिक मूल्यों और अनुशासन से जोड़ने के लिए शालाओं में प्रार्थना, सरस्वती वंदना और श्लोक का समावेश किया गया है। उन्होंने बलौदाबाजार विधानसभा क्षेत्र के 11 विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण हेतु 3 करोड़ की राशि स्वीकृत रायपुर जिले के तिल्दा विकासखंड के शासकीय बीएनबी हायर सेकेंडरी स्कूल में विकासखंड स्तरीय शालेय प्रवेश उत्सव उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, जिला पंचायत प्रतिनिधियों एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और नैतिक मूल्यों के साथ जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

देश के पूर्व राष्ट्रपति, भारतरत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी के विचारों को रेखांकित करते हुए राजस्व मंत्री वर्मा ने कहा कि सपने वे नहीं जो हम सोते हुए देखते हैं, सपने तो वे हैं जो हमें सोने ही नहीं देते। ?सफलता की आधारशिला बड़े सपनों और दृढ़ संकल्प पर टिकी होती है। जिस प्रकार एक अभिभावक अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का, शिक्षक अपने विद्यालय की उत्कृष्टता का और जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्र के विकास का सपना देखते हैं; ठीक उसी प्रकार विद्यार्थियों को भी उच्च लक्ष्य निर्धारित कर लगातार मेहनत करनी चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संकल्प से सिद्धि के मंत्र को दोहराते हुए विद्यार्थियों को निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में स्वामी विवेकानंद के संदेश उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य हासिल न हो जाए का स्मरण कराते हुए विद्यार्थियों में असीम ऊर्जा और सकारात्मक दृष्टिकोण का संचार किया गया। एक प्रेरक प्रसंग के माध्यम से मंत्री श्री वर्मा ने स्पष्ट किया कि एक ही कार्य को करने वाले लोगों का दृष्टिकोण अलग-अलग हो सकता है। जैसे बाँध निर्माण में लगे तीन मजदूरों में से सकारात्मक सोच वाले मजदूर ने अपने कार्य को जन-कल्याण और समृद्धि से जोड़कर देखा, ठीक उसी तरह विद्यार्थियों को भी अपनी पढ़ाई का उद्देश्य तय करना होगा। जब दृष्टिकोण स्पष्ट होता है, तो लक्ष्य प्राप्ति निश्चित हो जाती है।

मंत्री वर्मा ने कहा कि विष्णु देव साय सरकार द्वारा शिक्षा के सर्वांगीण विकास के लिए उठाए जा रहे है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत राज्य में शिक्षा को आधुनिक तकनीक के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा (वेद, शास्त्र, रामायण एवं हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर) से जोड़ा गया है। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहकर बच्चों में नैतिक मूल्य, विनम्रता, अनुशासन और अपने माता-पिता व बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करने का माध्यम बन रही है।

खास-खबर

मुख्यमंत्री साय की घोषणा पर अमल, उद्यान निर्माण के लिए 95.3 लाख स्वीकृत

रायपुर। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने सारंगढ़ नगर पालिका में उद्यान के निर्माण के लिए 95 लाख 30 हजार रुपए मंजूर किए हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा सारंगढ़ में उद्यान निर्माण की घोषणा के अनुपालन में विभाग द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट से अधोसंरचना मद से यह राशि स्वीकृत की गई है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने संचालनालय से इसकी मंजूरी के आदेश जारी कर दिए हैं। अरुण साव ने उद्यान का निर्माण पूर्ण गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं।

योग प्रशिक्षकों ने रक्तदान कर दिया संवेदनशीलता का परिचय

बीजापुर। मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। इसी भावना को चरितार्थ करते हुए बीजापुर जिले के योग प्रशिक्षकों ने समय पर रक्तदान कर एक जरूरतमंद मरीज की सहायता की और समाज के सामने सेवा एवं संवेदनशीलता का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल बीजापुर में एक मरीज के पैर का ऑपरेशन होना था। ऑपरेशन से पहले मरीज को तत्काल रक्त की आवश्यकता थी। मरीज के परिजनों ने सहायता के लिए जिले के योग प्रशिक्षकों से संपर्क किया। सूचना मिलते ही योग प्रशिक्षकों ने बिना किसी विलंब के मानवीय दायित्व निभाते हुए जिला अस्पताल पहुंचकर जिला रेडक्रॉस सोसायटी जिला संघ बीजापुर के जिला संगठक राज्य प्रतिनिधि नरवेद सिंह के मार्गदर्शन एंव रेडक्राँस सोसायटी के बेनर तले रक्तदान किया, जिससे मरीज का समय पर ऑपरेशन संभव हो सका।

सीएम हेल्पलाइन से मिली राहत, 24 घंटे के भीतर हटा कीचड़, राह हुई आसान

नारायणपुर। सुशासन का वास्तविक उद्देश्य तभी सार्थक होता है, जब आम नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित हो। नारायणपुर जिले में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप संचालित सीएम हेल्पलाइन 1076 आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। इसका एक प्रेरणादायक उदाहरण ग्राम पंचायत बिंजली में देखने को मिला, जहां एक शिकायत का समाधान 24 घंटे के भीतर कर ग्रामीणों को बड़ी राहत प्रदान की गई। ग्राम पंचायत बिंजली में नलकूप की खुदाई के बाद मार्ग पर बड़ी मात्रा में कीचड़ जमा हो गया था। इससे ग्रामीणों को आवागमन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। विशेषकर बारिश के मौसम में मार्ग फिसलनयुक्त हो गया था, जिससे दुर्घटना की आशंका भी लगातार बनी हुई थी। ग्रामीणों द्वारा स्थानीय स्तर पर समस्या के समाधान के प्रयास किए गए, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने से परेशानी लगातार बनी रही। इसी बीच ग्राम बिंजली के निवासी जितेश सहारे ने अपनी समस्या के समाधान के लिए सीएम हेल्पलाइन 1076 में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार जनपद पंचायत नारायणपुर ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मामले को गंभीरता से लिया। शिकायत दर्ज होने के 24 घंटे के भीतर मार्ग से कीचड़ की पूरी तरह सफाई कर दी गई, जिससे आवागमन पुन: सुगम और सुरक्षित हो गया। अब बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं तथा अन्य राहगीरों को बिना किसी परेशानी के आने-जाने की सुविधा मिल रही है।

मेरा परिवार गौव्रति परिवार : सीएम साय ने गौ विज्ञान परीक्षा के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

गौ संरक्षण जनभागीदारी से ही बनेगा जनआंदोलन : साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गौमाता भारतीय संस्कृति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, जैविक कृषि और पर्यावरण संरक्षण की आधारशिला है। गौ संरक्षण पूरे समाज की साझा जिम्मेदारी है। जब प्रत्येक परिवार गौसेवा और संरक्षण का संकल्प लेगा, तभी यह अभियान जनआंदोलन का स्वरूप ले सकेगा। मुख्यमंत्री साय ने सोमवार को राजधानी रायपुर स्थित इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कृषक सभागार में आयोजित गौ सेवा संगम एवं गौ विज्ञान परीक्षा पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशव्यापी 'मेरा परिवार गौव्रति परिवार' अभियान का शुभारंभ किया तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए संचालित किए जाने वाले वृक्षारोपण अभियान के पोस्टर का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने गौ विज्ञान परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर पुरस्कार भी प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गौमाता केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, पर्यावरण और ग्रामीण समृद्धि की महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्होंने कहा कि बच्चों में गाय के वैज्ञानिक, सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व की समझ विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित गौ विज्ञान परीक्षा अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस वर्ष प्रदेश के स्कूलों एवं महाविद्यालयों के 1 लाख 64 हजार से अधिक विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। इतनी बड़ी संख्या में युवाओं की सहभागिता यह दर्शाती है कि नई पीढ़ी भारतीय संस्कृति, जीवन मूल्यों और प्रकृति संरक्षण के प्रति सजग हो रही है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि वे समाज में गौ संरक्षण और संवर्धन के प्रभावी दूत बनेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गौ संरक्षण के उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए समाज के प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने परिवारों और आसपास के लोगों को गौसेवा एवं गौ संरक्षण के प्रति जागरूक करें तथा इस अभियान को घर-घर तक पहुंचाएं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि नए शिक्षा सत्र के साथ प्रदेश में शाला प्रवेश उत्सव और न्योता भोज जैसी अभिनव पहल संचालित की जा रही हैं। जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ अथवा माता-पिता की पुण्यतिथि जैसे विशेष अवसरों पर विद्यालयों में बच्चों के साथ भोजन कराने की परंपरा समाज और विद्यालय के बीच आत्मीय संबंध मजबूत कर रही है। इससे बच्चों को अतिरिक्त पोषण भी प्राप्त हो रहा है तथा समाज की भागीदारी भी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गौ संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। पंजीकृत गौशालाओं में प्रति गाय चारे के लिए दी जाने वाली सहायता राशि 20 रुपये से बढ़ाकर 35 रुपये प्रतिदिन कर दी गई है। साथ ही सुरभि गौधाम योजना के माध्यम से आधुनिक सुविधाओं से युक्त गौधाम विकसित किए जा रहे हैं, जहां पशु चिकित्सक, चरवाहे तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

गोबर आधारित उत्पाद बन रहे रोजगार का नया माध्यम

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि गाय से प्राप्त दूध, दही, गोबर और गोमूत्र सहित प्रत्येक उत्पाद मानव जीवन के लिए उपयोगी है। आज गोबर से अनेक उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं, जो स्वरोजगार और ग्रामीण उद्यमिता के नए अवसर प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार गोबर एवं गोमूत्र आधारित उत्पादों के निर्माण तथा प्रशिक्षण की व्यवस्था भी करेगी, जिससे गौपालन आय का सशक्त माध्यम बन सके।

गौ सेवा से संस्कृति और मूल्यों से जुड़ रही नई पीढ़ी : मंत्री यादव

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि गौ विज्ञान परीक्षा के माध्यम से हजारों बच्चों ने गौमाता के महत्व को समझा है। यह पहल नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और जीवन मूल्यों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार गौ संरक्षण के लिए गौ अभ्यारण्य विकसित कर रही है, जहां गौवंश के लिए पर्याप्त चारा और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। देसी गाय के शुद्ध दूध के उत्पादन को बढ़ावा देकर आर्थिक स्वावलंबन के साथ जनस्वास्थ्य को भी मजबूती मिलेगी। गौ सेवा गतिविधि के अखिल भारतीय संयोजक अजीत महापात्र ने कहा कि गौ विज्ञान परीक्षा विद्यार्थियों को गाय के वैज्ञानिक महत्व तथा भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रही है। इससे विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ भारतीय सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान का भाव विकसित हो रहा है।

मुख्य सचिव ने की छत्तीसगढ़ के CCTNS की समीक्षाः डैशबोर्ड स्कोर में सुधार के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकास शील ने सोमवार को मंत्रालय महानदी भवन में गृह विभाग के अंतर्गत राष्ट्रीय अपराध और अपराधी ट्रैकिंग नेटवर्क एवं सिस्टम के डैशबोर्ड की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में राज्य के कमजोर बिंदुओं को चिन्हित कर उनमें त्वरित सुधार करने के कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक में राज्य के डीजीपी अरुण देव गौतम भी विशेष रूप से मौजूद थे।

बैठक के दौरान अधिकारियों द्वारा जानकारी दी गई कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो द्वारा जारी नवीनतम स्टेट स्कोरकार्ड में छत्तीसगढ़ को 100 में से 64.97 अंक प्राप्त हुए हैं। हालांकि राज्य ने 'प्रशासनिक सुधार' और 'मेडलीगल रिपोर्ट पोर्टल' के क्रियान्वयन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पूर्ण अंक हासिल किए हैं। मुख्य सचिव विकास शील ने कानून व्यवस्था और डिजिटल पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीरो एफआईआर और ई-चार्जशीट की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाया जाए।

उन्होंने कहा कि न्यायालयों में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गवाही प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए 'न्याय श्रुति प्रणाली' को शीघ्र अति शीघ्र प्रारंभ किया जाए। मामलों के त्वरित निपटारे के लिए निर्धारित 60 एवं 90 दिवस के भीतर हर हाल में न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया जाए। डिजिटल साक्ष्यों की महत्ता को देखते हुए ई-साक्ष्य के उपयोग को बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जाए। डैशबोर्ड की समीक्षा के दौरान पुलिस और गृह विभाग के समन्वय पर विशेष बल दिया गया। इस उच्च स्तरीय बैठक में गृह विभाग की प्रमुख सचिव निहारिका बारिक सिंह, विधि एवं विधायी विभाग की प्रमुख सचिव सुषमा सावंत, गृह विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता सहित कई अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

फीस, पुस्तक और ड्रेस में मनमानी रेट तय करने वाले प्राइवेट स्कूलों पर होगी कार्यवाही

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। कलेक्टर एवं जिला स्तरीय समिति के अध्यक्ष पद्मिनी भोई साहू की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की जिला स्तरीय समिति और प्राइवेट स्कूलों में फीस बढ़ोतरी तथा पुस्तक व ड्रेस अधिक मूल्य में बिक्री की शिकायत के लिए निगरानी एवं जांच समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग की टीम को जिले के सभी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण के लिए कलेक्टर द्वारा निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने सह शाला त्यागी बच्चों व उनके पालक से भेंट मुलाक़ात कर उनके मन में पढ़ाई के प्रति रूचि बढ़ाने के लिए दैनिक जीवन में पढ़ाई की उपयोगिता और रोजगार के अवसर को समझाकर उन्हें प्रेरित करने तथा स्कूलों में मध्यान्ह भोजन निर्माण में एलपीजी गैस चूल्हा का उपयोग करने के निर्देश दिए।

जिले के प्राइवेट स्कूलों में स्कूल फीस वृद्धि, पुस्तक और ड्रेस में कीमत ज्यादा होने की शिकायतों की प्रभावी निगरानी एवं प्राप्त शिकायतों का परीक्षण, छत्तीसगढ़ शासकीय विद्यालय एवं फीस विनियम विधेयक 2020 के तहत कार्यवाही करने के लिए कलेक्टर ने जिला स्तरीय निगरानी समिति ब्लॉक स्तरीय जांच दल को निर्देश दिए। इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत, एसडीएम, जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, खाद्य अधिकारी, जिला प्रबंधक खाद्य नागरिक आपूर्ति, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

कवर्धा में नि:शुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर संपन्न

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देश पर प्रतिमाह आयोजित हो रहा कैंसर जांच शिविर, 33 लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। जिला अस्पताल कवर्धा में रविवार को नि:शुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर का सफल आयोजन किया गया। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के निर्देशानुसार जिले में प्रतिमाह कैंसर जांच एवं परामर्श शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि आमजन को समय पर कैंसर की जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श की सुविधा उपलब्ध हो सके।

शिविर में नया रायपुर स्थित बालको मेडिकल सेंटर के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. मुरली मोहन पी.के. (ऑन्को सर्जन) एवं उनकी टीम ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं प्रदान कीं। शिविर प्रात: 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित हुआ, जिसमें जिले के विभिन्न विकासखंडों से आए कुल 33 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। शिविर के दौरान महिलाओं के लिए मेमोग्राफी के माध्यम से स्तन कैंसर की जांच, पेप स्मीयर के जरिए बच्चेदानी के मुख (सर्वाइकल) कैंसर की जांच तथा ब्रश साइटोलॉजी के माध्यम से मुख कैंसर की जांच जैसी आधुनिक जांच सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। जांच के दौरान 7 संभावित मरीजों की पहचान की गई, जिन्हें आवश्यक परामर्श देकर आगे की उपचार प्रक्रिया से जोड़ा गया तथा नियमित फॉलोअप की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। शिविर में 2 महिलाओं की मेमोग्राफी, 5 महिलाओं की पेप स्मीयर जांच की गई। विकासखंडवार लाभार्थियों में कवर्धा से 21, बोड़ला से 10, सहसपुर लोहारा से 1 तथा पंडरिया से 1 मरीज शामिल रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेंद्र तूरे के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कैंसर की शीघ्र पहचान एवं समय पर उपचार के महत्व पर विशेष जोर दिया। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बताया कि स्तन में गांठ, मुंह में लंबे समय तक रहने वाला अल्सर, लगातार खांसी, अत्यधिक थकान, बिना कारण वजन कम होना, खून की कमी, गले में गांठ, निगलने में कठिनाई तथा असामान्य रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाई देने पर तत्काल चिकित्सकीय जांच करानी चाहिए। समय पर जांच और उपचार से कैंसर पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से अपील की है कि कैंसर के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज न करें तथा प्रतिमाह आयोजित होने वाले नि:शुल्क कैंसर जांच एवं परामर्श शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

शिविर का उद्देश्य आमजन में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समय पर जांच को प्रोत्साहित करना तथा रोग की प्रारंभिक अवस्था में पहचान कर प्रभावी उपचार सुनिश्चित करना है।

विधानसभा अध्यक्ष स्वामित्व योजनांतर्गत स्वामित्व पट्टा वितरण कार्यक्रम में हुए शामिल

स्वामित्व कार्ड ग्रामीणों के आत्मसम्मान एवं आत्मनिर्भरता की चाबी

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव । विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह स्पीकर निवास में आयोजित स्वामित्व योजना अंतर्गत स्वामित्व पट्टा वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम ईरा, मनकी, आरला, बांकल एवं कुसमी के 150 हितग्राहियों को स्वामित्व पट्टों का वितरण किया। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए उपलब्ध कराई गई एम्बुलेंस एवं स्वच्छता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि स्वामित्व कार्ड केवल कागज का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि ग्रामीणों के आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता की चाबी है। उनके कानूनी अधिकार का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि वर्षों से ग्रामीण आबादी की भूमि का स्पष्ट रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 अप्रैल 2020 को प्रारंभ की गई स्वामित्व योजना के माध्यम से अब प्रत्येक ग्रामीण परिवार को उसकी आवासीय भूमि का प्रमाणित अभिलेख उपलब्ध कराया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक ड्रोन सर्वे एवं डिजिटल मैपिंग के माध्यम से गांवों की आबादी भूमि का सर्वेक्षण किया गया है। अब प्रत्येक मकान एवं भूमि का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का विधिवत स्वामित्व प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि जिले के अनेक गांवों में सर्वे एवं अंतिम प्रकाशन की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है तथा चरणबद्ध तरीके से सभी गांवों में शिविर लगाकर स्वामित्व कार्ड वितरित किए जाएंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि स्वामित्व कार्ड मिलने से ग्रामीण अपनी संपत्ति का विधिक प्रमाण प्राप्त करेंगे। इसके आधार पर बैंकों से ऋण प्राप्त करना भी आसान होगा, जिससे ग्रामीण आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बन सकेंगे। उन्होंने कहा कि यह योजना गांवों के विकास एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का उल्लेख करते हुए ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में अपने घरों की छतों पर सोलर संयंत्र स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा सोलर संयंत्र स्थापना पर आकर्षक अनुदान दिया जा रहा है। इससे बिजली का बिल शून्य होने के साथ अतिरिक्त बिजली उत्पादन से आय अर्जित करने का अवसर भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि जिन हितग्राहियों को स्वामित्व कार्ड प्राप्त हुआ है, वे इस दस्तावेज के आधार पर बैंक से ऋण लेकर भी सोलर संयंत्र स्थापित कर सकते हैं और योजना का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस 24 अप्रैल 2020 को प्रारंभ की गई स्वामित्व योजना ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार प्रदान करने वाली ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने बताया कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत ड्रोन तकनीक से गांवों का सर्वे कर डिजिटल नक्शा तैयार किया जाता है तथा संपत्ति का अधिकार अभिलेख प्रदान किया जाता है। कलेक्टर ने बताया कि राजनांदगांव जिले के 654 ग्रामों में प्रॉपर्टी कार्ड तैयार किए जाने हैं। इनमें से 186 ग्रामों का अंतिम प्रकाशन किया जा चुका है।

सिटी ब्यूटीफुल से पंजाबी सिनेमा में लौटीं अपूर्वा अरोड़ा, बोलीं- यह मेरे लिए घर वापसी जैसा

लोकप्रिय अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने आगामी पंजाबी क्राइम थ्रिलर फिल्म सिटी ब्यूटीफुल से पंजाबी सिनेमा में वापसी की है। पंजाबी सिनेमा से अपने करियर की शुरुआत करने वाली अभिनेत्री फिल्म को घर वापसी बताया।

अभिनेत्री ने बताया कि इससे पहले वे पंजाबी सिनेमा में गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के साथ डिस्को सिंह में नजर आई थीं, जिसके बाद से वे अच्छी स्क्रिप्ट का इंतजार कर रही थीं, जो उन्हें सच में इंडस्ट्री में वापस लाए और सिटी ब्यूटीफुल वह प्रोजेक्ट निकला। अभिनेत्री अपूर्वा ने कहा, यह फिल्म मेरे लिए सच में एक घर वापसी जैसा है।

इस फिल्म की कहानी ने मुझे तुरंत मुझसे कनेक्ट कर दिया। मैं अभी अपने कैरेक्टर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बता सकती, लेकिन मैं कह सकती हूं कि यह एक शानदार अनुभव रहा है। हम चंडीगढ़ और मोहाली में शूटिंग कर रहे हैं। सेट पर हर कोई बहुत अच्छा और सपोर्टिव है। हमारे डायरेक्टर ने पूरे प्रोसेस को बहुत आरामदायक बना दिया है और हर दिन सेट पर आना बहुत अच्छा लगा है।

अभिनेत्री अपूर्वा अरोड़ा ने बताया कि उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी सिनेमा से की, जिस वजह से पंजाब हमेशा से ही मेरे लिए खास रहा है और आगे भी रहेगा।

उन्होंने अपनी भावनाएं शेयर करते हुए कहा, इतने वर्षों बाद वापस आना अजीब लगता है, हालांकि शूटिंग खत्म होने के बाद मैं अमृतसर के गोल्डन टेंपल आशीर्वाद लेने के लिए जरूर जाऊंगी। यह इस खूबसूरत सफर को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका लगता है।

अपूर्वा अरोड़ा हाल ही में हरियाणा की ग्रामीण पृष्ठभूमि पर बनी फिल्म मोमाकू में नजर आई थीं। इस फिल्म का पूरा नाम मोटर, माचिस और कटर है। यह एक सस्पेंस, थ्रिल और कॉमेडी से भरपूर फिल्म है, जिसमें अभिनेत्री ने पिंकी नाम की मुख्य भूमिका निभाई हैं। इस फिल्म में उनके साथ जतिन सरना, यशपाल शर्मा और तुषार दत्त जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण किरदारों में नजर आएंगे।

रवि दुबे को 'लक्ष्मण' बनते देख रो पड़ीं सरगुन मेहता, लिखा भावुक नोट

एक्ट्रेस सरगुन मेहता अपने पति रवि दुबे को नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में लक्ष्मण के किरदार में देखकर काफी भावुक हो गईं। इस फिल्म का ट्रेलर इस शनिवार दिल्ली में एक खास इवेंट में कुछ चुनिंदा लोगों को दिखाया गया, जहां फिल्म की टीम मौजूद थी और सरगुन भी रवि के साथ वहां पहुंची थीं।

सरगुन ने लिखा इमोशनल नोट

इवेंट की कुछ झलकियां शेयर करते हुए सरगुन ने बताया कि वह अपने पति की इस नई शुरुआत को देखकर खुद को संभाल नहीं पाईं और रोती रहीं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें और वीडियो शेयर करते हुए कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा का धन्यवाद किया, जिन्होंने रवि को लक्ष्मण के रोल के लिए चुना। सरगुन ने लिखा, 'मेरा दिल खुशी से भरा हुआ है।

मैं रोना बंद नहीं कर पा रही हूं और अभी कुछ लिख भी नहीं पा रही हूं। 24 जुलाई 2026 को जब ट्रेलर दुनिया के सामने आएगा, उसका इंतजार है। हमें यहां तक लाने के लिए मुकेश छाबड़ा का बहुत-बहुत धन्यवाद। हमेशा आपका एहसान रहेगा। जय श्री राम।'

सरगुन ने यह भी कहा कि यह पल रवि की मेहनत का नतीजा है। उन्होंने लिखा, 'हर सांस के साथ मैं भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं। यह उनकी मेहनत का फल है।'

लक्ष्मण का किरदार निभाने पर रवि दुबे

इसी इवेंट में रवि दुबे भी अपने इमोशंस नहीं छिपा पाए। लक्ष्मण का किरदार निभाने को उन्होंने भगवान का आशीर्वाद बताया।

स्टेज पर बात करते हुए रवि की आंखें नम हो गईं और उनकी आवाज भी भारी हो गईं। उन्होंने फिल्म के मेकर्स का धन्यवाद किया कि उन्होंने उन पर इतना भरोसा जताया और उन्हें इस खास किरदार के लिए चुना।

ऐसी होगी 'रामायण' की स्टारकास्ट

'रामायण' में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी सीता, यश रावण, सनी देओल हनुमान और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। जानकारी के मुताबाकि, इसके अलावा काजल अग्रवाल मंदोदरी और रकुल प्रीत सिंह सूर्पनखा की भूमिका में हैं और कुणाल कपूर भगवान इंद्र की भूमिका में हैं। इसके अलावा फिल्म में आदिनाथ कोठारे, लारा दत्ता, शीबा चड्ढा और अरुण गोविल जैसे कलाकार भी शामिल हैं।

कब रिलीज होगी फिल्म?

नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित फिल्म 'रामायण' मेगा बजट फिल्म है, जिसे करीब 4000 करोड़ रुपये की लागत के साथ बनाया जा रहा है। फिल्म दो हिस्सों में रिलीज होगी। पहला हिस्सा इस साल दिवाली पर आएगा और दूसरा हिस्सा अगले साल दिवाली पर दस्तक देगा।

'लॉकअप 2' में हुई रिबेल किड अपूर्वा की एंट्री? जानें कौन हुआ शो से बाहर

'लॉकअप 2' के वीकेंड एपिसोड में काफी कुछ धमाकेदार हुआ। इस एपिसोड में एक वाइल्ड कार्ड हुई, वायरल वीडियो में हिंट मिला कि यह इंफ्लुएंसर अपूर्वा मुखीजा हो सकती हैं। वहीं शो से एक प्रतियोगी भी बाहर हुआ? जानिए कौन है वो?

वीकेंड का एपिसोड 'लॉकअप 2' के प्रतियोगियों की धड़कनें बढ़ाने वाला होता है। इस बार भी ऐसा हुआ। शो से जुड़े वायरल वीडियो में वाइल्ड कार्ड एंट्री को देखकर बाकी प्रतियोगी दंग रह गए। फैंस का अंदाजा है कि यह नई प्रतियोगी इंफ्लुएंसर अपूर्वा मुखीजा हैं। वहीं शो से एक प्रतियोगी का पत्ता भी कट गया है।

होस्ट फराह ने नई प्रतियोगी को लेकर क्या कहा?

'लॉकअप 2' के एक वायरल वीडियो में होस्ट फराह खान नई वाइल्ड कार्ड एंट्री का स्वागत करते हुए कहती हैं, 'सबसे ज्यादा गड़बड करने वाली गैंग लीडर का स्वागत कीजिए।' उस प्रतियोगी का चेहरा तो पूरा नहीं दिखा। मगर शो 'लॉकअप 2' के बाकी प्रतियोगी दंग उसे देखकर दंग थे। वहीं फैंस का सोशल मीडिया पर कहना है कि यह नई एंट्री अपूर्वा मुखीजा की हुई है। वह सोशल मीडिया पर रिबेल किड नाम से मशहूर हैं।

शो से बाहर हुए प्रतियोगी योगेश

वीकेंड के एपिसोड में योगेश रावत शो से बाहर हुए। इसके बाद वह एक्ट्रेस तेजस्वी प्रकाश के साथ शो को लेकर बातचीत करते दिखे, अपनी गलतियों का उन्होंने जिक्र किया। तेजस्वी शो से बाहर आने वाले प्रतियोगी से एक खास बातचीत करती हैं। अब शो में राम कपूर, हर्षद चोपड़ा, आकांक्षा चमोला, श्रेया कालरा, शिल्पा शिंदे जैसे कई सेलेब्स बचे हैं।

क्या है शो 'लॉकअप 2' का कॉन्सेप्ट?

रियलिटी शो 'लॉक अप 2' को रितेश देशमुख और फराह खान होस्ट कर रहे हैं। इसमें कुछ चर्चित सेलिब्रिटीज को एक जेल के कॉन्सेप्ट वाली जगह पर प्रतियोगी के तौर पर रखा जाता है। वे बाहरी दुनिया से कटे रहते हैं। अपनी सुख-सुविधाओं से दूर उन्हें कई मुश्किल फैसलों से गुजरना पड़ता है।

पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने के बाद महाकाल के दरबार पहुंचे कार्तिक, दर्शन कर साझा की तस्वीर

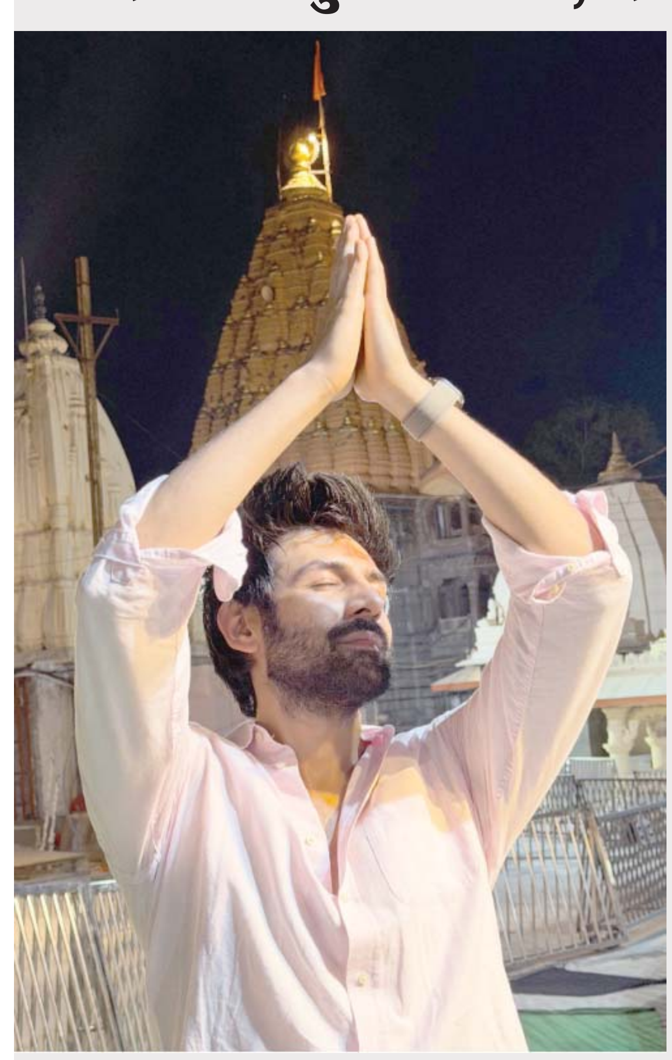

अभिनेता कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी आगामी फिल्मों- 'नागजिला' और 'कैप्टन इंडिया' की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस बीच बीते दिनों उनके नाम का एलान राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के लिए किया गया। 18 जुलाई को 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों का एलान हुआ। कार्तिक ने फिल्म 'चंदू चैंपियन' के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड जीता है। इसके बाद वे महाकाल के दर्शन करने पहुंचें।

राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीतने के बाद अभिनेता कार्तिक आर्यन उज्जैन पहुंचे और उन्होंने महाकाल के दर्शन किए। अभिनेता ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक फोटो साझा किया है। वे मंदिर प्रांगण में भक्ति भाव में लीन होकर हाथ जोड़े नजर आ रहे हैं। एक्टर ने फोटो के साथ कैप्शन लिखा है, 'जय महाकाल'। बता दें कि कार्तिक का यह पहला राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार है।

फैंस बोले- 'हमारा दिल खुश हो गया'

कार्तिक आर्यन के इस पोस्ट पर नेटिजंस कमेंट करते हुए एक्टर की तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है, 'राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कार्तिक'। एक यूजर ने लिखा है, 'हमारा दिल आज बहुत खुश हो गया है'। एक यूजर ने लिखा, 'चैंपियन'। वहीं, कुछ यूजर्स उन्हें आगे बढ़ने और इसी तरह तरक्की करते रहने के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। इसी के साथ नेटिजंस 'जय महाकाल' का जयकारा भी लिख रहे हैं।

'चंदू चैंपियन' के लिए किया था ट्रांसफॉर्मेशन

बता दें कि बीते दिनों 72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार के विजेताओं के नाम से पर्दा उठा। यह पुरस्कार साल 2024 में रिलीज हुई फिल्मों और परफॉर्मेंस के लिए प्रदान किए जाएंगे। 2024 में आई फिल्म 'चंदू चैंपियन' में एक्टर ने भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर का किरदार निभाया। इसके लिए कार्तिक ने बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन किया था। इस फिल्म का निर्देशन कबीर खान ने किया।

मानसून के दौरान कार्यस्थल के लिए चुनें ये कपड़े, रहेंगे स्टाइलिश और आरामदायक

मानसून के दौरान न केवल मौसम में बदलाव आता है, बल्कि कार्यस्थल के माहौल में भी काफी बदलाव देखने को मिलते हैं। इस दौरान उमस और बारिश के कारण ऐसी पोशाकें चुनना जरूरी है, जो न केवल आरामदायक हों, बल्कि पेशेवर लुक भी दें। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे कपड़ों के बारे में बताते हैं, जो मानसून के दौरान कार्यस्थल के लिए सबसे उपयुक्त हैं।

सूती कपड़े

सूती कपड़े मानसून के दौरान सबसे अच्छा विकल्प हैं क्योंकि यह नमी को सोख लेता है और त्वचा को हवा लगने देता है।

सूती शर्ट या कुर्ता-पजामा पहनने से आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे। इसके अलावा सूती कपड़े जल्दी सूख जाते हैं, जिससे आपको बारिश के पानी से होने वाली परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

सूती कपड़ों की देखभाल भी आसान होती है और ये लंबे समय तक चलते हैं।

लिनेन कपड़े

लिनेन एक हल्का और सांस लेने वाला कपड़ा है, जो गर्मी और नमी को दूर रखता है। लिनेन की ड्रेस या सूट पहनने से आप आरामदायक महसूस करेंगे और साथ ही यह आपको एक पेशेवर लुक भी देगा।

लिनेन कपड़े जल्दी सिकुड़ते नहीं हैं, जिससे आपको बार-बार इस्त्री करने की जरूरत नहीं पड़ती।

लिनेन कपड़े आसानी से धोए जा सकते हैं और जल्दी सूख जाते हैं, जिससे आपको बारिश के पानी से होने वाली परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता।

हल्के रंगों के कपड़े

मानसून के दौरान हल्के रंगों के कपड़े पहनना अच्छा रहता है क्योंकि ये धूप को कम सोखते हैं और आपको ठंडक महसूस कराते हैं।

सफेद, हल्का नीला, हल्का पीला जैसे रंग मानसून के लिए बेहतरीन विकल्प हैं। ये रंग न केवल आपको तरोताजा महसूस कराएंगे बल्कि पेशेवर लुक भी देंगे।

हल्के रंगों के कपड़ों में दाग-धब्बे भी कम नजर आते हैं, जिससे आपको बार-बार कपड़े बदलने की जरूरत नहीं पड़ती।

ढीले-ढाले कपड़े

मानसून के दौरान ढीले-ढाले कपड़े पहनना सबसे अच्छा माना जाता है क्योंकि ये त्वचा को हवा लगने देते हैं और आपको पसीना आने से बचाते हैं।

ढीली शर्ट या कुर्ता-पजामा पहनने से आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगे। इसके अलावा ढीले-ढाले कपड़े पहनने से चलने-फिरने में कोई दिक्कत नहीं होती और आप आसानी से अपने काम को कर सकते हैं।

इन कपड़ों में आरामदायक महसूस होता है और ये आपको पेशेवर लुक भी देते हैं।

अंबिकापुर को मिली आधुनिक स्वास्थ्य सुविधा की सौगात, मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया सोनोग्राफी सेंटर का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

अम्बिकापुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने सोमवार को अंबिकापुर स्थित एक निजी संस्थान के नवीन सोनोग्राफी सेंटर का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र से जुड़े सभी चिकित्सकों, प्रबंधन एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह केंद्र क्षेत्रवासियों को आधुनिक, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य जांच सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए राजेश अग्रवाल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ होना किसी भी समाज के समग्र विकास का महत्वपूर्ण आधार है। आधुनिक तकनीकों से युक्त जांच सुविधाएं समय पर रोगों की पहचान और प्रभावी उपचार में अत्यंत सहायक सिद्ध होती हैं। उन्होंने कहा कि अंबिकापुर में इस आधुनिक सोनोग्राफी केंद्र के प्रारंभ होने से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य जांच के लिए दूर-दराज के शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा, जिससे समय और धन दोनों की बचत होगी।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य आम नागरिकों को उनके निकट ही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सरकारी प्रयासों के साथ-साथ निजी क्षेत्र की सकारात्मक भागीदारी भी स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण योगदान देती है। ऐसे आधुनिक चिकित्सा केंद्र क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा, ष्मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह सोनोग्राफी केंद्र क्षेत्रवासियों को आधुनिक, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य जांच सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। यह केंद्र जनसामान्य के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा और समय पर बेहतर जांच के माध्यम से लोगों के स्वास्थ्य संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राजेश अग्रवाल ने संस्थान के चिकित्सकों एवं समस्त स्टाफ से सेवा, संवेदनशीलता और गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह करते हुए कहा कि चिकित्सा सेवा केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि मानवता की सेवा का सर्वोच्च माध्यम है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह केंद्र मरीजों का विश्वास जीतते हुए क्षेत्र में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं का नया मानक स्थापित करेगा। कार्यक्रम में चिकित्सकगण, संस्थान के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सभी ने क्षेत्र में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए इस पहल का स्वागत करते हुए इसे जनहित की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव एवं अंबिकापुर महापौर मंजूषा भगत भी उपस्थित रहे।

खास-खबर

विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी से बचाव और सुरक्षित डिजिटल व्यवहार की दी जानकारी

रायपुर। महासमुंद महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित मिशन शक्ति महिला सशक्तिकरण केंद्र (हब) द्वारा सोमवार को उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, घुंचापाली में पुलिस विभाग के समन्वय से टिप्स फॉर ऑनलाइन सेफ्टी विषय पर साइबर सुरक्षा जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस विभाग के मास्टर ट्रेनर्स ने विद्यार्थियों एवं उपस्थित प्रतिभागियों को साइबर अपराधों से बचाव, सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार तथा डिजिटल माध्यमों के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान ऑनलाइन ठगी, फर्जी लिंक, ओटीपी एवं बैंकिंग धोखाधड़ी, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग, साइबर बुलिंग तथा व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बालिकाओं के लिए निःशुल्क केक निर्माण प्रशिक्षण शुरू

बेमेतरा। भारत सरकार की ''बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ'' योजना के अंतर्गत बालिकाओं को कौशल विकास से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महिला एवं बाल विकास विभाग, बेमेतरा द्वारा पांच दिवसीय निःशुल्क केक निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एकीकृत बाल विकास परियोजना साजा के अंतर्गत थानखम्हरिया सेक्टर में आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशानुसार, जिला कार्यक्रम अधिकारी चन्द्रबेश सिंह सिसोदिया के मार्गदर्शन एवं महिला एवं बाल विकास अधिकारी सी.पी. शर्मा के निर्देशन में संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को व्यावसायिक कौशल प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। दौरान प्रतिभागी बालिकाओं को केक निर्माण की आधुनिक तकनीकों, केक की आकर्षक सजावट, गुणवत्ता बनाए रखने के उपाय, स्वच्छता के मानकों तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी आवश्यक जानकारी के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं, आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प हैः राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल सरगुजा जिले के लखनपुर स्थित जी.आर.ए. स्कूल, जूनाडीह में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों और उपस्थित जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर हरित एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण का संकल्प लिया।

इस अवसर पर पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक कर्तव्य है। आज लगाया गया एक पौधा आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा, हरियाली और सुरक्षित भविष्य की अमूल्य धरोहर बनता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का आग्रह किया।श्री अग्रवाल ने अपने संबोधन में आगे कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि मानव जीवन के आधार हैं। जलवायु परिवर्तन, बढ़ते प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की वर्तमान आवश्यकता को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण को जनआंदोलन बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधा लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उससे कहीं अधिक आवश्यक उसकी नियमित देखभाल करना है, ताकि वह एक सशक्त वृक्ष बनकर समाज और प्रकृति की सेवा कर सके।उन्होंने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी पर्यावरण संरक्षण की सबसे बड़ी शक्ति है। यदि विद्यार्थी अपने जीवन में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करेंगे और प्रत्येक वर्ष कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करेंगे, तो आने वाले वर्षों में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय परिवर्तन देखने को मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रकृति से जुड़ने, पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने तथा जीवन में अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि हरित वातावरण स्वस्थ समाज की पहचान है।

वृक्षारोपण के माध्यम से न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलता है, बल्कि जैव विविधता का संरक्षण, जल स्त्रोतों का संवर्धन और प्राकृतिक संतुलन भी मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि आज का यह सामूहिक प्रयास भविष्य की पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, हरित और स्वस्थ परिवेश सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।कार्यक्रम के अंत में श्री अग्रवाल ने विद्यालय परिवार द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि विद्यार्थी शिक्षा के साथ-साथ प्रकृति संरक्षण के संदेशवाहक बनकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।०

पीएम गतिशक्ति योजना को मिलेगी नई गति

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं जिला मास्टर प्लान के विकास को गति देने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्टर कार्यालय स्थित इंद्रावती सभाकक्ष में कलेक्टर विश्वदीप की अध्यक्षता में जिला स्तरीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में जिला स्तरीय गतिशक्ति समिति के सदस्यों सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं नोडल अधिकारी उपस्थित रहे।

पीएम गति शक्ति योजना की विस्तृत जानकारी देने हेतु उद्योग संचालनालय रायपुर से कुमुद मिश्रा एवं पी एम गति शक्ति से विशेषज्ञ प्रिया उपस्थित रहीं कार्यशाला के दौरान कलेक्टर विश्वदीप ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री गतिशक्ति योजना विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर विकास परियोजनाओं को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सभी विभागों को पीएम गतिशक्ति पोर्टल का नियमित एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करने, विभागीय योजनाओं को समय पर अद्यतन करने तथा जिला मास्टर प्लान के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने के निर्देश दिए।प्रशिक्षण में अधिकारियों को पीएम गतिशक्ति पोर्टल के संचालन, जिला मास्टर प्लान के निर्माण, विभिन्न विभागों के डेटा एकीकरण, ळप्ै आधारित डिजिटल टूल्स के उपयोग तथा आधारभूत संरचना विकास से संबंधित परियोजनाओं की प्राथमिकता निर्धारण की विस्तृत जानकारी दी गई। बेहतर समन्वय और त्वरित क्रियान्वयन के लिए पोर्टल के तकनीकी पहलुओं पर भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।कलेक्टर विश्वदीप ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में तकनीक का अधिकतम उपयोग करें, ताकि विकास कार्यों में पारदर्शिता, गति और गुणवत्तापूर्ण कार्य कम से कम समय में करना सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पीएम गतिशक्ति पोर्टल पर उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग करते हुए जिले के समग्र विकास के लिए योजनाबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करें।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइंटिफिक कंप्यूटिंग पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर में आज नेक्स्ट जेनरेशन ट्रेंड्स इन एआई एंड साइंटिफिक कंप्यूटिंग विद हैंड्स-ऑन यूज़िंग पाइथन विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की ऑनलाइन कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन किया गया।

20 से 24 जुलाई 2026 तक आयोजित होने वाली यह कार्यशाला कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा सतत शिक्षा प्रकोष्ठ (सीईसी) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और वैज्ञानिक संगणना के क्षेत्र में सैद्धांतिक समझ और व्यावहारिक कौशल प्रदान करना है।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता एनआईटी रायपुर के निदेशक (प्रभारी) डॉ. समीर बाजपेयी ने की। इस अवसर पर सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष (प्रभारी) डॉ. संजय कुमार, सतत शिक्षा प्रकोष्ठ (सीईसी) के अध्यक्ष डॉ. शुभोजीत घोष तथा मुख्य वक्ता के रूप में आईआईटी रोपड़ के स्कूल ऑफ एआई एंड डेटा इंजीनियरिंग के एसोसिएट प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार विप्पार्थी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ. सोनल यादव एवं डॉ. अनीता मुर्मू द्वारा किया जा रहा है, जबकि डॉ. राजेश डोरिया कार्यशाला के संयोजक हैं। अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. समीर बाजपेयी ने उभरती हुई प्रौद्योगिकियों और उद्योग की समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि एनआईटी रायपुर तकनीकी क्षेत्र में हो रहे बदलावों के अनुसार लगातार ऐसे उच्च स्तरीय कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन करता रहेगा।

सेवा सेतु बना विश्वास का सेतु, दिव्या पटेल को मिला समय पर विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

नारायणपुर। शासन की जनकल्याणकारी पहल श्सेवा सेतुश् ग्रामीण और शहरी नागरिकों को शासकीय सेवाएं सरल, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम बन रही है। डिजिटल प्रणाली आधारित यह व्यवस्था न केवल आमजन की भागदौड़ कम कर रही है, बल्कि शासन के प्रति लोगों का विश्वास भी निरंतर सुदृढ़ कर रही है।

कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशन में जिले में सेवा सेतु केन्द्रों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न प्रमाण-पत्र एवं आवश्यक शासकीय सेवाएं त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसी क्रम में ग्राम तारागांव की निवासी दिव्या पटेल, पति मिथून पटेल को सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से विवाह पंजीयन प्रमाण-पत्र निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध कराया गया। आवेदन प्राप्त होते ही उसका त्वरित निराकरण किया गया और पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से संपन्न होने के

कारण उन्हें किसी भी कार्यालय के अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़े। दिव्या पटेल बताती हैं कि पहले विवाह पंजीयन जैसे कार्यों के लिए विभिन्न कार्यालयों में कई बार जाना पड़ता था, जिससे समय और संसाधनों दोनों की हानि होती थी। लेकिन सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया अत्यंत सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक रही। निर्धारित समय में प्रमाण-पत्र प्राप्त होने से उनके आवश्यक कार्य बिना किसी बाधा के पूरे हो सके। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं सेवा सेतु केन्द्र के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह व्यवस्था विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। इससे लोगों को घर के निकट ही शासकीय सेवाओं का लाभ मिल रहा है और अनावश्यक परेशानियों से भी राहत मिली है।

सेवा सेतु की सफलता का दायरा लगातार बढ़ रहा है। ग्राम पंचायत स्तर पर नल कनेक्शन, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की साफ-सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट तथा भवन निर्माण अनुज्ञा प्रमाण-पत्र जैसी सेवाएं भी संचालित की जा रही हैं। वहीं पंचायत स्तर पर ऑनलाइन व्यवस्था प्रारंभ होने के बाद 8 विवाहित जोड़ों को विवाह प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराए जा चुके हैं। इसके अलावा सेवा सेतु केन्द्रों के माध्यम से आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र सहित अनेक शासकीय सेवाएं पारदर्शी एवं समयबद्ध ढंग से प्रदान की जा रही हैं। जिला प्रशासन द्वारा शीघ्र ही राशन कार्ड से संबंधित ऑनलाइन सेवाएं भी प्रारंभ की जाएंगी। इसके अंतर्गत राशन कार्ड में नए सदस्य का नाम जोड़ना, नाम विलोपित करना।

धमतरी मॉडल बना देश के लिए प्रेरणा औषधीय खेती से महिलाओं की बदली तकदीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ आदिवासी, स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा रायपुर सहित विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में एक विशेष योजना चलाई जा रही है। इसके तहत, अनुपयोगी पड़ी घरों की बाड़ी में महिलाओं को सिंदूरी, सतावर और अश्वगंधा जैसे औषधीय पौधे निरूशुल्क दिए जा रहे हैं, जिससे उन्हें घर पर ही नियमित आय मिल रही है। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले की महिलाओं द्वारा अनुपयोगी भूमि और यहाँ तक कि बेकार नाले के पानी का उपयोग कर औषधीय पौधे उगाने की कई प्रेरक पहलें देखने को मिली हैं। इन प्रयासों से न केवल बंजर जमीन हरी-भरी हो रही है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भरता और बेहतर स्वास्थ्य का लाभ भी मिल रहा है।

जहां कभी अनुपयोगी भूमि थी, वहां आज औषधीय पौधों की हरियाली लहरा रही है। जहां महिलाएं केवल पारंपरिक खेती तक सीमित थीं, वहीं आज वे लाखों रुपये की आय अर्जित कर आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। यह केवल एक जिले की सफलता की कहानी नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास, महिला सशक्तिकरण, प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग और कृषि नवाचार का ऐसा मॉडल है, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। छत्तीसगढ़ का धमतरी जिला आज औषधीय एवं सुगंधीय फसलों के कृषिकरण का राष्ट्रीय मॉडल बनकर उभरा है। यहां कृषि, आजीविका, पर्यावरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का ऐसा समन्वय देखने को मिलता है, जो विकसित भारत और आत्मनिर्भर गांवों की अवधारणा को साकार करता है।

दूरदर्शी नेतृत्व और समन्वित प्रयास

वर्ष 2025 में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) तथा राज्य औषधीय पादप बोर्ड के सहयोग से औषधीय एवं सुगंधीय फसलों के कृषिकरण की अभिनव पहल प्रारंभ की। इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसे केवल कृषि कार्यक्रम नहीं माना गया, बल्कि महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण आजीविका का व्यापक मिशन बनाया गया। योजना के प्रारंभिक चरण में जिले का विस्तृत सर्वेक्षण कराया गया। अनुपयोगी भूमि, रेतीले क्षेत्र और कम उत्पादक भूमि की पहचान कर वहां औषधीय खेती की संभावनाओं का वैज्ञानिक मूल्यांकन किया गया।

महिला स्व-सहायता समूहों को इस अभियान का केंद्र बनाया गया। राज्य औषधीय पादप बोर्ड के सहयोग से खस, ब्राह्मी, बच, लेमनग्रास, पामारोजा और पचौली जैसी उच्च मूल्य वाली फसलों की गुणवत्तायुक्त पौध सामग्री उपलब्ध कराई गई। महिलाओं को विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और नियमित फील्ड सपोर्ट दिया गया। सबसे महत्वपूर्ण व्यवस्था रहीकृशत-प्रतिशत बाय-बैक, जिससे किसानों और महिलाओं को अपने उत्पाद के विपणन की चिंता नहीं रही।

परंपरागत खेती से नवाचार की ओर

धमतरी कृषि प्रधान जिला है। यहां की अधिकांश आबादी धान आधारित खेती पर निर्भर रही है। हालांकि धान उत्पादन जिले की पहचान है, लेकिन सीमित आय, प्राकृतिक जोखिम और अनुपयोगी भूमि की चुनौती लंबे समय से बनी हुई थी। महानदी के किनारे की रेतीली भूमि, कटाव प्रभावित क्षेत्र और ग्राम पंचायतों की अनुपयोगी जमीन आर्थिक दृष्टि से पर्याप्त उपयोग में नहीं आ पा रही थी। ऐसे समय में जिला प्रशासन ने इन चुनौतियों को अवसर में बदलने का निर्णय लिया। सोच स्पष्ट थीकृयदि अनुपयोगी भूमि पर ऐसी फसलें उगाई जाएं जिनकी बाजार में स्थायी मांग हो, जिनमें लागत कम और लाभ अधिक हो, तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था में व्यापक परिवर्तन लाया जा सकता है।

52 संविदा पदों पर भर्ती, 14 अगस्त तक आवेदन

बेमेतरा। जिले के युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), जिला बेमेतरा के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 की स्वीकृति के अनुसार विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में कुल 52 रिक्त संविदा पदों पर भर्ती की जाएगी। इन पदों के लिए पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थियों से 14 अगस्त 2026 शाम 5:00 बजे तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन केवल पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे। आवेदन पत्र मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बेमेतरा के कार्यालय में निर्धारित समय-सीमा तक पहुंचना आवश्यक होगा। भर्ती से संबंधित पदों का विवरण, योग्यता, बेमेतरा के सूचना पटल तथा जिला प्रशासन की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

खास खबर

ई-रिक्शा-ऑटो चालकों को साइबर ठगी से बचने के लिए जागरूक किया

दुर्ग। चौकी अजोरा, दुर्ग में ऑपरेशन विश्वास और जन मित्र योजना के तहत ई-रिक्शा व ऑटो चालकों की जनजागरूकता बैठक रखी गई। पुलिस ने चालकों को साइबर अपराध के नए तरीकों और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपाय बताए। शिकायत की स्थिति में साइबर हेल्पलाइन 1930 और नागरिक सहायता हेल्पलाइन 1933 पर तुरंत सूचना देने के लिए कहा गया, ताकि समय रहते कार्रवाई हो सके। बैठक में यातायात नियमों का पालन, नशामुक्त होकर वाहन संचालन, यात्रियों की सुरक्षा और व्यवहार में मर्यादा बनाए रखने पर जोर दिया गया। साथ ही उठाईगिरी, पॉकेटमारी और अन्य संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी तुरंत पुलिस तक पहुंचाने की अपील की गई। पुलिस ने कहा कि नागरिक सहयोग से ही क्षेत्र में सुरक्षित और अपराधमुक्त माहौल मजबूत होगा।

भिलाई-3 श्मशान के पास हथियार लेकर डराने वाला युवक पकड़ाया

भिलाई। पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र में विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने भिलाई-3 स्थित श्मशान घाट के पास धारदार हथियार लेकर राहगीरों को डराने-धमकाने वाले युवक को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर हथियार दिखाकर लोगों को भयभीत कर रहा है और इलाके में दहशत का माहौल बन रहा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और संदिग्ध को पकड़कर उसके पास से एक धारदार हथियार बरामद किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी मोहम्मद इमरान के खिलाफ केस दर्ज कर आर्म्स एक्ट की धारा 25 और 27 के तहत कार्रवाई की गई तथा उसे न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें; कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। पुलिस ने लोगों से कहा कि संदिग्धों की तुरंत सूचना दें।

पत्नी ने पी ली पति की शराब, नाराज पति ने डंडे से पीटा, मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत भैसामुड़ा में रविवार देर रात एक दुखद घटना हुई। नशे में धुत पति ने डंडे से पीट पीट कर अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पत्नी ने पति की लाई हुई शराब खुद पी ली जिससे नाराज पति ने उसकी बेरहमी से पिटाई कर दी। इस पिटाई से पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार मृतका की पहचान 32 वर्षीय अगहन बाई धनवार के रूप में हुई है। वह मूल रूप से मड़वारानी गांव की निवासी थी। अगहन बाई पिछले कुछ दिनों से अपने पति परदेसी धनवार के साथ भैसामुड़ा में रह रही थी। दोनों रोजी-मजदूरी कर जीवन यापन करते थे। उनकी एक बेटी है जिसकी शादी हो चुकी है। रविवार देर रात पति-पत्नी ने साथ में शराब पी थी। पार्टी के बाद बची हुई शराब अगहन बाई ने पी ली। इसी बात पर पति परदेसी को गुस्सा आ गया। नशे में परदेसी ने रात भर अगहन बाई को डंडे से पीटा। कमरे की चटाई और दीवारों पर खून के छींटे मिले।

चीख-पुकार सुनकर एक बुजुर्ग बचाने पहुंचा, जिसे आरोपी ने उठाकर पटक दिया। डर के मारे बुजुर्ग वहां से भाग निकला। पिटाई के बाद अगहन बाई की मौत हो गई। आरोपी देर रात तक शव से लिपटा रहा। सोमवार सुबह उसने खुद गांव वालों को पत्नी की हत्या की जानकारी दी। ग्रामीणों की सूचना पर उरगा थाना प्रभारी नवीन पटेल की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आरोपी पति परदेसी धनवार को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में उसने शराब और गुस्से में हत्या करना स्वीकार किया है। नवीन पटेल ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

चचेरे भाइयों ने स्कूल जा रहे शिक्षक की बेरहमी से कर दी हत्या

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ में बलरामपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। स्कूल के लिए निकले शिक्षक पर उसके ही चचेरे भाइयों ने घात लगाकर हमला किया। टीचर का गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया है। घटना सोमवार की सुबह करीब साढ़े नौ बजे के आस-पास की है। यह खूनी वारदात त्रिकुंडा थाने क्षेत्र की है। इस घटना से गांव में दहशत का माहौल है। सूचना पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई। जानकारी मिलने पर त्रिकुंडा पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही है।

बताया जाता है कि त्रिकुंडा के राधानगर निवासी जयकरन जगते ग्राम धमनी कुमीहा के विद्यालय में हेडमास्टर के पद पर पदस्थ थे। वे रोज की तरह अपने स्कूल धमनी कुमिहा विधायक जाने के लिए अपने मोटरसाइकिल से निकले थे। अपने घर से करीब आधा किलोमीटर ही निकले थे, तभी पहले से घात लगाए बैठे उसके चचेरे भाई बृजमोहन और हरिमोहन ने उसका रास्ता रोक लिया। हथौड़े और चाकू से उन पर ताबड़तोड़ प्रहार किया। इससे शिक्षक जयकरन मोटरसाइकिल से गिर पड़े, जिसके बाद आरोपियों ने बड़ी ही बेरहमी से चाकू से उसका गला रेत दिया। इससे शिक्षक की मौके पर ही मौत हो गई।

जमीन को लेकर चल रहा था विवाद

शिक्षक जयकरन जगते, उसके चचेरे भाई बृजमोहन 25 वर्ष, हरिमोहन 24 वर्ष के बीच जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। मामले में परिवार के बीच जमीन का बंटवारा भी हो चुका था। शिक्षक उन्हें अपने हिस्से की जमीन का सीमांकन करने और जोतने नहीं दे रहा था, जिससे विवाद की स्थिति बनी हुई थी।

पांच जुआ फड़ पर दबिश, घेराबंदी कर पकड़े 33 जुआरी, 90 लाख की चार कार जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में पुलिस ने बीती रात बड़ी कार्रवाई की है। रायगढ़-कोरबा बॉर्डर पर खुडखुडिया जुआ खेल रहे 33 जुआरियों को गिरफ्तार किया गया। यह मामला छाल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आता है।

छाल थाने की पुलिस टीम ने ग्राम धसकामुड़ा में मेला स्थल के बाहर दबिश दी। यहां जुए के पांच फड़ संचालित हो रहे थे, जिन पर पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से 33 जुआरियों को रंगे हाथ पकड़ा। आरोपियों के पास से लगभग 90 लाख रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की गई। इसमें एक इनोवा, दो बोलेरो, दो अर्टिगा, एक किआ और एक ऑल्टो कार शामिल हैं।

जुआ फड़ से 57 हजार 140 रुपये नकदी भी बरामद हुई। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने पांच गैस लाइट भी जब्त की हैं। यह कार्रवाई मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई। पुलिस जांच में सामने आया कि पकड़े गए जुआरी विभिन्न क्षेत्रों के निवासी हैं। ये घरघोड़ा, तमनार, डभरा और जैजैपुर क्षेत्र से आए थे। वे धसकामुड़ा बस्ती के छोर पर बड़े पैमाने पर खुडखुडिया जुआ खेल रहे थे।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी और एसडीओपी खरसिया प्रभात पटेल ने मार्गदर्शन दिया। थाना प्रभारी छाल निरीक्षक नासिर खान के नेतृत्व में टीम ने योजनाबद्ध घेराबंदी की। छाल पुलिस ने गिरफ्तार 33 आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए हैं। छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा छह के तहत पांच अलग-अलग मामले दर्ज हुए। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने की तैयारी चल रही है। उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेजने की प्रक्रिया जारी है। इस बड़ी कार्रवाई में थाना प्रभारी नासिर खान और थाना छाल के स्टाफ की भूमिका सराहनीय रही।

बाइक ने मारी टक्कर, पूरी रात पड़ा रहा शव

राजनांदगांव। रायपुर से अपने गांव लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत के मामले में पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। जांच में सामने आया कि तेज और लापरवाही से चल रही मोटरसाइकिल की टक्कर से युवक की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना 18 जुलाई की देर रात की है। युवक का शव पूरी रात यूं ही पड़ा रहा। 19 जुलाई की सुबह ढूंढने निकले परिजनों को बरबसपुर पुलिया के पास युवक मृत अवस्था में मिला। पुलिस ने बताया कि ग्राम बरबसपुर निवासी 30 वर्षीय रोशन यादव रायपुर में मजदूरी करता था। वह 18 जुलाई को बस से गांव लौट रहा था। परिजनों को रात 11 बजे तक घर पहुंचने की जानकारी दी थी।

मलबे में दबने से महिला मजदूर की मौत, डॉक्टर को 6 माह कैद

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। नर्सिंग होम की छत ढलाई के दौरान मलबा गिरने से महिला मजदूर की मौत हो गई थी। मामले में नर्सिंग होम संचालक पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया था। जिसकी सुनवाई के बाद कोर्ट ने तुलसी नर्सिंग होम के संचालक डॉ. अमोलक जैन को 6 माह के साधारण कारावास की सजा सुनाई है।

लोक अभियोजक अरुण गुप्ता ने बताया कि मामला ?दिसंबर 2020 का है। शहर के वीआईपी रोड में तुलसी नर्सिंग के निर्माणाधीन भवन में छत ढलाई का काम चल रहा था। इसी दौरान लापरवाही से छत से मलबा का बड़ा हिस्सा नीचे गिरा। जिसमें दबने से 51 वर्षीय ज्योति साहू की मौत हो गई। घटना में अन्य मजदूरों को भी गंभीर चोटें आई थी। बसंतपुर पुलिस ने नर्सिंग होम के संचालक दंपती डॉ. अमोलक जैन और डॉ. विजयाश्री जैन के खिलाफ धारा 304 ए के तहत अपराध दर्ज किया था। मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट में पूरी हुई। सुनवाई में साक्ष्यों के आधार पर न्यायाधीश विजय कुमार साहू ने घटना के लिए जिम्मेदार मानते हुए डॉ. अमोलक जैन को 6 माह के कारावास की सजा सुनाई है। वहीं उनकी पत्नी डॉ. विजयाश्री जैन को दोषमुक्त कर दिया गया है।

भिलाई में सड़क हादसे में बीएसपी कर्मचारी की मौत, तेज रफ्तार हाईवा ने मारी टक्कर, ड्यूटी जा रहे थे तीन कर्मी

■ **जेपी चौक सेक्टर-5 के पास हुआ हादसा, हाइवा चालक फरार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई में सोमवार देर रात सेक्टर-5 स्थित जेपी चौक के पास तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार बीएसपी कर्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ बाइक पर सवार दो युवक घायल हो गए। दोनों का इलाज दुर्ग जिला अस्पताल में चल रहा है। हादसे के बाद हाईवा चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान खुर्सीपार निवासी श्याम राव के रूप में हुई है। वे भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्यरत थे। सोमवार को वे अपने दो साथियों के साथ मरोदा स्थित अपने ससुराल गए थे। वहां से लौटकर उन्हें नाइट शिफ्ट की ड्यूटी पर जाना था।

रात में तीनों एक ही बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान सेक्टर-5 के जेपी चौक के पास तेज रफ्तार हाईवा ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि श्याम राव की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथ मौजूद दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को तुरंत इलाज के लिए दुर्ग जिला अस्पताल भेजा गया। वहीं, श्याम राव के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है।

हाईवा चालक हुआ फरार

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद हाईवा चालक मौके से भाग निकला। पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि श्याम राव नाइट शिफ्ट में ड्यूटी करने जा रहे थे, लेकिन उससे पहले ही सड़क हादसे ने उनकी जान ले ली। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फरार चालक की पहचान कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। वहीं, घायलों का इलाज जारी है और उनकी हालत पर डॉक्टर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

कबीरधाम में 13 छात्राओं की तबीयत बिगड़ी, छात्रावास में मचा हड़कंप, 4 छात्राओं को किया गया रेफर

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के पंडरिया ब्लॉक अंतर्गत स्थित ग्राम दुल्लापुर बाजार के कस्तूरबा गांधी कन्या छात्रावास में सोमवार को अचानक 13 छात्राओं की तबीयत बिगड़ने से हड़कंप मच गया। छात्राओं को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने पर तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही छात्रावास प्रबंधन ने तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी और सभी छात्राओं को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने सभी छात्राओं की जांच की। इनमें से चार छात्राओं की स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पंडरिया रेफर कर भर्ती किया गया, जबकि शेष छात्राओं का इलाज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ही जारी है।

डॉक्टरों के अनुसार, फिलहाल सभी छात्राओं की हालत स्थिर और खतरे से बाहर है। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम छात्रावास पहुंची और भोजन, पेयजल तथा अन्य व्यवस्थाओं की जांच शुरू कर दी। छात्राओं ने क्या भोजन किया था और उनकी तबीयत बिगड़ने की वजह क्या रही, इसकी पड़ताल की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर मामला फूड पॉइजनिंग से जुड़ा माना जा रहा है, हालांकि जांच रिपोर्ट आने के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा।

पंडरिया बीएमओ डॉ. राकेश प्रेमी ने बताया कि शुरुआती जांच में मामला फूड पॉइजनिंग का प्रतीत हो रहा है। फिर भी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। भोजन और अन्य संभावित कारणों की जांच की जा रही है। सभी छात्राओं की हालत सामान्य है और चिकित्सकीय निगरानी में उनका उपचार जारी है। वहीं, घटना के बाद छात्रावास प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। प्रशासन भी पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है और जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

आगजनी कांड : पुलिस ने दर्ज किया केस, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर के सरस्वती नगर थाना क्षेत्र स्थित कोटा में सुयश अस्पताल के पीछे हुई आगजनी की घटना में झुलसे 18 वर्षीय शाकिब रजा की मौत हो गई। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने आरोपी मुकेश निषाद को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि, आरोपी का हत्या का इरादा नहीं था, लेकिन उसे यह पता था कि पेट्रोल डालकर वाहन में आग लगाने से किसी की जान जा सकती है।

पुलिस के अनुसार, मोमिनपारा ललिता चौक निवासी शाकिब रजा, मुकेश निषाद और उनके साथी 12 जुलाई की रात अलग-अलग वाहनों से कोटा स्थित घटना स्थल पहुंचे थे। कुछ दिन पहले मुकेश ने अपनी इलेक्ट्रिक स्कूटी शाकिब को चलाने दी थी। जिस पर घर में उसे डांट पड़ी थी। इसी बात से नाराज मुकेश ने स्कूटी जलाने का फैसला किया और पेट्रोल लेकर मौके पर पहुंच गया। घटना स्थल पर मौजूद दोस्तों सोनू भेलावे, गिरजेश कुमार धवई और प्रिंस जगत के अनुसार शाकिब लगातार मुकेश को स्कूटी में आग

लगाने से रोक रहा था। जब मुकेश ने पेट्रोल छिड़कना शुरू किया तो शाकिब स्कूटी के ऊपर लेट गया, ताकि वह उसे जला न सके। इसी दौरान मुकेश ने आग लगा दी और पेट्रोल की लपटें तेजी से फैल गईं। शाकिब गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद उसके दोस्त ही उसे अस्पताल लेकर पहुंचे और वहीं से परिजनों को सूचना दी। इलाज के दौरान शाकिब की मौत हो गई, जिसके बाद परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया था।

एडिशनल डीसीपी वेस्ट राहुलदेव शर्मा ने बताया कि जांच, प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों के बयान के आधार पर गैर-इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। आरोपी मुकेश निषाद को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटना से जुड़े बाकी तथ्यों को भी खंगाला जा रहा है।

ट्रेडिंग निवेश के नाम पर 19 लाख ठगी, ज्यादा लाभ का दिया लालच

■ **उतई थाने का मामला, आरोपिया गिरफ्तार**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रैम्बो इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी में निवेश के नाम पर 19 लाख रुपए लेकर धोखाधड़ी करने वाली महिला को गिरफ्तार किया गया। 28 माह में निवेश की राशि चार गुना एवं प्रतिमाह 10 से 12 प्रतिशत ट्रेडिंग रिटर्न देने का झूठा प्रलोभन देकर निवेश कराया गया। जांच के दौरान आरोपिया के विभिन्न बैंक खातों में लाखों रुपये के संदिग्ध एवं अनाधिकृत वित्तीय लेन-देन पाए गए। इस मामले में कार्रवाई कर आरोपिया को गिरफ्तार किया गया।

इस मामले में दीपक कुमार अहिरवार, निवासी ग्राम जोरातराई द्वारा थाना उतई में लिखित आवेदन प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज कराई गई। शिकायत में बताया कि तृप्ती साहू द्वारा अपने परिचित के घर, उतई में रैम्बो इंटरनेशनल ट्रेडिंग कंपनी में निवेश करने पर 28 माह में राशि चार गुना होने तथा प्रतिमाह 10 से 12 प्रतिशत ट्रेडिंग रिटर्न मिलने का झूठा आश्वासन देकर कुल 19 लाख रुपए निवेश कराए गए। निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी राशि वापस नहीं की गई तथा धोखाधड़ी कर अवैध आर्थिक लाभ अर्जित किया गया।

प्रकरण की जांच उपरांत अपराध में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपिया के एसबीआई, यस बैंक, केनरा बैंक एवं एचडीएफसी बैंक शाखा भिलाई के बैंक खातों एवं ट्रांजेक्शन स्टेटमेंट का परीक्षण किया गया, जिसमें लाखों रुपये के संदिग्ध एवं अनाधिकृत लेन-देन पाए गए। आरोपिया तृप्ती साहू को सोमवार को गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में आरोपिया ने निवेशकों से प्राप्त राशि का स्वयं उपयोग करने तथा अन्य साथियों को आर्थिक लाभ पहुंचाने की बात स्वीकार की। आरोपिया द्वारा लोगों को कम समय में अत्यधिक लाभ, 28 माह में निवेश राशि चार गुना होने तथा प्रतिमाह 10 से 12 प्रतिशत ट्रेडिंग रिटर्न मिलने का झूठा विश्वास दिलाकर निवेश कराया गया। निवेशकों से प्राप्त धनराशि का निर्धारित उद्देश्य के विपरीत निजी उपयोग एवं अन्य व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने में उपयोग किया गया। आरोपिया के पास से पुलिस ने अलग अलग बैंक के पासबुक, पैन कार्ड, आधार कार्ड तथा कार क्रमांक छ्त्त 07 छ्स्न 8179 जब्त किया गया।

उक्त कार्रवाई में थाना उतई के निरीक्षक मोहन भारद्वाज, उप निरीक्षक श्रीराम पेन्ड्रो, सहायक उप निरीक्षक सुरेश पाण्डेय, महिला आरक्षक पूजा सोनकर एवं महिला आरक्षक बिन्दु भाले की सराहनीय भूमिका रही। दुर्ग पुलिस आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अधिक लाभ का प्रलोभन देने वाली किसी भी अनधिकृत निवेश योजना, ट्रेडिंग कंपनी अथवा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में निवेश करने से पूर्व उसकी वैधानिकता एवं प्राधिकृत पंजीयन की पुष्टि अवश्य करें। किसी भी संदिग्ध वित्तीय अथवा साइबर धोखाधड़ी की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें।

हाइटेक सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, भिलाई
मेडिकल रिकार्ड डिपार्टमेंट

आम सूचना

एतद् द्वारा आमजन को सूचित किया जाता है कि हाइटेक सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल द्वारा जून 2021 से पूर्व के मेडिकल रिकाड्र्स का विनष्टीकरण 15 अगस्त 2026 को किया जाना है। यदि किसी को आवश्यकता हो तो उक्त तिथि से पूर्व आवेदन कर सकते हैं। नियमानुसार इनमें मेडिको लीगल (MLC) एवं 18 वर्ष से कम आयु के रोगियों के रिकार्ड शामिल नहीं होंगे जिन्हें सुरक्षित रखा जाना है।

मेडिकल डायरेक्टर
दिनांक : 15 जुलाई 2026

नई पीढ़ी का भविष्य संवारना ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री साय

दुर्ग जिले के लिए की आधुनिक कम्पोजिट कार्यालय भवन, ऑडिटोरियम एवं एथलेटिक्स ट्रैक की घोषणा

- दुर्ग में सीएम साय की बड़ी घोषणा : नीट-जेईई के स्टूडेंट्स के लिए बनेंगे छात्रावास
- राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय, नवप्रवेशी बच्चों का किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोमवार को दुर्ग जिले के लिए शिक्षा एवं खेल अधोसंरचना से जुड़ी चार महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने शिक्षा विभाग के संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों के स्थान पर आधुनिक कम्पोजिट कार्यालय भवन के निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही दुर्ग शहर में सर्वसुविधायुक्त आधुनिक ऑडिटोरियम, खेल प्रतिभाओं के लिए फुटबॉल मैदान सह एथलेटिक्स ट्रैक तथा नीट एवं जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए 100-100 सीटर छात्रावास स्थापित किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इन निर्णयों से शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोमवार को दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, जामगांव (एम) में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल हुए। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय में पहली बार प्रवेश लेने वाले नन्हे बच्चों का तिलक लगाकर एवं मुंह मीठा कराकर आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने बच्चों को स्नेह पूर्वक आशीर्वाद देते हुए कहा कि वे मन लगाकर अध्ययन करें, बड़े सपने देखें और अपने ज्ञान, प्रतिभा एवं संस्कारों से परिवार, समाज, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। सरकार

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान

कार्यक्रम में राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान भी किया गया। मुख्यमंत्री साय ने राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली कु. पायल रजनी, सातवां स्थान प्राप्त करने वाले नैतिक आमटे तथा दसवां स्थान प्राप्त करने वाली कु. श्रद्धा इंदौरिया को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम के दौरान स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विद्यालयों में चरणबद्ध रूप से कंप्यूटर शिक्षा का विस्तार कर रही है।

बालिकाओं के लिए आठ हजार से अधिक नए शौचालयों का निर्माण, भाषा एवं गणितीय दक्षता बढ़ाने के विशेष अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा भारतीय संस्कृति एवं महापुरुषों के जीवन से विद्यार्थियों को जोड़ने जैसे नवाचार शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि आगामी वर्षों में निजी विद्यालयों की तर्ज पर शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के पहले ही दिन सभी विद्यार्थियों को पुस्तकें एवं गणवेश उपलब्ध हो सकें। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, साजा विधायक ईश्वर साहू, छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राकेश पाण्डेय, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, स्कूल शिक्षा सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, दुर्ग संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर, पुलिस महानिरीक्षक अभिषेक शांडिल्य, समग्र शिक्षा आयुक्त किरण कौशल, कलेक्टर अभिजीत सिंह सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी, अभिभावक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

स्कूली बच्चों का तिलक लगाकर स्वागत

इस मौके पर उन्होंने कहा कि बच्चों की मुस्कान और उनकी आंखों में बसे सपने ही विकसित छत्तीसगढ़ के उज्ज्वल भविष्य की नींव हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाना नहीं, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्यों, वैज्ञानिक सोच, सामाजिक संवेदनशीलता और राष्ट्रभावना का विकास करना है। शिक्षा संस्कारित समाज, सशक्त राष्ट्र और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की सबसे मजबूत आधारशिला है। राज्य सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी बच्चा संसाधनों या अवसरों के अभाव में अपने सपनों से वंचित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक अधोसंरचना, तकनीकी संसाधन और समान अवसर उपलब्ध कराकर प्रदेश की नई पीढ़ी को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जा रहा है।

पुस्तकें, यूनिफार्म व स्कूल बैग वितरित

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कक्षा पहली, छठवीं एवं नवमी के चयनित विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें, गणवेश एवं स्कूल बैग वितरित किए। साथ ही कक्षा नवमी की छात्राओं को साइकिल प्रदान कर उन्हें उच्च शिक्षा के लिए निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री साय ने राष्ट्रीय साधन सह प्रवीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए कहा कि प्रतिभा किसी क्षेत्र या परिस्थिति की मोहताज नहीं होती, आवश्यकता केवल सही अवसर और उचित मार्गदर्शन की होती है।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को केवल बेहतर बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि उसे भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक और समावेशी बना रही है। प्रदेश के विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, समय पर निःशुल्क पुस्तक एवं गणवेश वितरण, अतिरिक्त पौष्टिक आहार, नियमित पालक-शिक्षक बैठक, न्योता भोज और भारतीय संस्कृति पर आधारित विभिन्न नवाचारों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास का वातावरण तैयार किया जा रहा है।

युक्तियुक्तकरण से शिक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने युक्तियुक्तकरण के माध्यम से शिक्षा व्यवस्था में ऐतिहासिक सुधार किए हैं। आज प्रदेश का कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं है। दूरस्थ एवं वनांचल क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। बस्तर के जगरगुंडा जैसे क्षेत्रों में एजुकेशन हब विकसित किए जा रहे हैं, ताकि वहां के बच्चों को भी बड़े शहरों जैसी शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में वर्तमान में 15 मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, 24 नालंदा परिसर विकसित किए जा चुके हैं तथा दिल्ली में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए 200 सीटों की छात्रावास सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सरकार

कटहल, सिंदूरी एवं मौलश्री के पौधे का रोपण

मुख्यमंत्री साय ने विद्यालय की खगोल विज्ञान प्रयोगशाला का अवलोकन किया और विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए अंतरिक्ष विज्ञान एवं खगोल से जुड़े मॉडलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक सोच और नवाचार ही भविष्य के भारत की पहचान होंगे और राज्य सरकार बच्चों में विज्ञान एवं तकनीक के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय एवं स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने विद्यालय परिसर में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के अंतर्गत कटहल, सिंदूरी एवं मौलश्री के पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री ने स्कूली बच्चों के साथ न्योता भोज में भी सहभागिता की और आत्मीय संवाद करते हुए उनके अध्ययन, रुचियों और भविष्य की आकांक्षाओं के बारे में जानकारी ली।

छत्तीसगढ़ पर्यटन विकास को मिलेगी नई गति

पर्यटन मंडल मुख्यालय में योजनाओं और परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा, आगामी पर्यटन गतिविधियों के रोडमैप पर हुआ मंथन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के संचालक मंडल की 38 वीं बैठक सोमवार को रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड मुख्यालय में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बैठक में पर्यटन क्षेत्र के समग्र विकास, वर्तमान योजनाओं की प्रगति, नई पर्यटन पहलों तथा आगामी गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में लिए गए निर्णयों को प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण कदम है।

बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने की। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन (भा.प्र.से.), छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक विवेक आचार्य (भा.व.से.), अवर सचिव रुचि शर्मा, उपमहाप्रबंधक पूनम शर्मा, संस्कृति विभाग के संचालक संजय कन्नौजे विभिन्न विभागों के शासकीय सदस्य तथा पर्यटन मंडल के विभिन्न शाखा प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधारोपण और हरित पहल के संकल्प के साथ हुई। प्रबंध संचालक विवेक आचार्य ने टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा तथा पर्यटन सचिव डॉ. एस. भारतीदासन को पौधा भेंट कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

वहीं, उपमहाप्रबंधक पूनम शर्मा ने विभिन्न विभागों के शासकीय सदस्यों का पौधा भेंट कर स्वागत किया। बैठक के दौरान पर्यटन मंडल द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं विकास परियोजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। परियोजनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन, पर्यटन अधोसंरचना के सुदृढ़ीकरण, पर्यटक सुविधाओं के विस्तार तथा प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों को और अधिक आकर्षक एवं सुविधायुक्त बनाने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। साथ ही आगामी पर्यटन कार्यक्रमों, प्रचार-प्रसार गतिविधियों, निवेश संभावनाओं तथा पर्यटन को रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ने के विभिन्न पहलुओं पर भी विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी कि प्रदेश की प्राकृतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक एवं जनजातीय पर्यटन संपदा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएंगे। पर्यटन स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं के विस्तार, पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने तथा स्थानीय समुदाय की सहभागिता बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णयों के माध्यम से छत्तीसगढ़ के पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा देने, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति प्रदान करने तथा भविष्य में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने की रणनीति पर सर्वसम्मति बनी। संचालक मंडल ने विश्वास व्यक्त किया कि इन निर्णयों से प्रदेश की पर्यटन पहचान और अधिक सशक्त होगी तथा छत्तीसगढ़ देश के प्रमुख पर्यटन राज्यों में अपनी विशिष्ट पहचान को और मजबूत करेगा।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा छत्तीसगढ़

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव में 4,120 घरों में लगे रूफटॉप सोलर संयंत्र, 1,155 परिवारों का बिजली बिल हुआ शून्य

राजनांदगांव। प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से छत्तीसगढ़ में स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ आम नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। राजनांदगांव जिला इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है। योजनागत उपलब्धियों के आधार पर राजनांदगांव प्रदेश में पांचवें स्थान पर पहुंच गया है।

जिले में अब तक योजना के अंतर्गत 8 हजार 256 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 4 हजार 120 हितग्राहियों के घरों पर रूफ्टॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जबकि शेष प्रकरणों में दस्तावेजों के सत्यापन, संयंत्र स्थापना एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं तेजी से पूरी की जा रही हैं। योजना के तहत अब तक 3 हजार 205 हितग्राहियों को शासन की ओर से सब्सिडी का लाभ मिल चुका है। वहीं 1 हजार 155 परिवारों का बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। ये परिवार अब अपनी आवश्यकता के अनुरूप सौर ऊर्जा का उपयोग कर बिजली खर्च में उल्लेखनीय बचत कर रहे हैं। कई हितग्राही अतिरिक्त उत्पादित बिजली को ग्रिड में भेजकर ऊर्जा उत्पादन में भी भागीदार बन रहे हैं। योजना का लाभ प्रत्येक पात्र परिवार तक पहुंचाने के उद्देश्य से जिले की सभी जनपद पंचायतों की ग्राम पंचायतों में नियमित रूप से 'पीएम सूर्य सभा' आयोजित की जा रही है। इन सभाओं में नागरिकों को योजना की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, सब्सिडी की जानकारी तथा रूफ्टॉप सोलर संयंत्र स्थापना की पूरी प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है। पात्र हितग्राहियों के आवेदन भी मौके पर ही प्राप्त किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार शासन द्वारा सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने, कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने तथा ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करना है। प्रभावी जनजागरूकता, समयबद्ध क्रियान्वयन और हितग्राही-केंद्रित प्रयासों से प्रधानमंत्री सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में ऊर्जा क्रांति का आधार बन रही है।

एम्स रायपुर में पेपरलेस लैब जांच प्रणाली शुरू, ओपीडी मरीजों को मिलेगी तेज और आसान सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर ने मरीजों को अधिक सुविधाजनक, त्वरित और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए नवीनीकृत डोम-1 फ्लेबोटोमी ज़ोन का शुभारंभ किया है। इसके साथ ही बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) के मरीजों के लिए पेपरलेस लैबोरेटरी टेस्ट रिक्विजिशन (प्रयोगशाला जांच अनुरोध) प्रणाली लागू कर दी गई है। इस नई सुविधा का उद्घाटन एम्स रायपुर के कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने किया।

आधारभूत संरचना के उन्नयन, केंद्रीय वातानुकूलन प्रणाली की स्थापना तथा मरीजों की सुविधाओं में विस्तार के बाद फ्लेबोटोमी ज़ोन को पुनः नवीनीकृत डोम-1 में स्थानांतरित किया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब बाह्य रोगी विभाग के मरीजों को प्रयोगशाला जांच के लिए प्रिंटेड पर्ची लेकर फ्लेबोटोमी ज़ोन आने की आवश्यकता नहीं होगी। चिकित्सक द्वारा जांच की इलेक्ट्रॉनिक अनुशंसा किए जाने के साथ ही उसकी जानकारी सीधे प्रयोगशाला सूचना प्रणाली (लेबोरेटरी इन्फॉर्मेशन सिस्टम) में दर्ज हो जाएगी। इसके बाद मरीज सीधे फ्लेबोटोमी काउंटर पर पहुंचकर पंजीकरण करा सकेंगे, जहां कंप्यूटर पर उपलब्ध डिजिटल विवरण के आधार पर बारकोड तैयार कर रक्त अथवा अन्य नमूनों का संग्रह किया जाएगा।

संस्थान के अनुसार इस डिजिटल व्यवस्था से कागजी प्रक्रिया में कमी आएगी, मरीजों का प्रतीक्षा समय घटेगा, जांच पर्ची खोने जैसी समस्याएं समाप्त होंगी तथा परामर्श से लेकर नमूना संग्रह तक की पूरी प्रक्रिया अधिक सरल, सुरक्षित और सुगम बनेगी। साथ ही यह प्रणाली जांच की सटीकता और कार्यकुशलता बढ़ाने के साथ कागज की खपत कम कर पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देगी।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल (सेवानिवृत्त) ने कहा कि एम्स रायपुर मरीजों को बेहतर, सरल और त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार डिजिटल तकनीकों को अपनाने के साथ अस्पताल की आधारभूत संरचना का आधुनिकीकरण कर रहा है। उन्होंने इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए अस्पताल प्रशासन, इंजीनियरिंग विंग, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) टीम तथा प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग के समन्वित प्रयासों की सराहना की।

शहर और स्थानीय मार्गदर्शिका

एम्स रायपुर के चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर (डॉ.) डी. के. त्रिपाठी ने कहा कि पुनः प्रारंभ किया गया फ्लेबोटोमी ज़ोन संस्थान की डिजिटल परिवर्तन यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने बताया कि पेपरलेस लैबोरेटरी टेस्ट रिक्विजिशन प्रणाली से प्रतिदिन आने वाले हजारों बाह्य रोगी विभाग के मरीजों को तेज़, सुविधाजनक और परेशानी-मुक्त सेवाएं मिलेंगी, वहीं अस्पताल की कार्यकुशलता और मरीजों की सुरक्षा भी और मजबूत होगी। उद्घाटन के बाद फ्लेबोटोमी यूनिट के प्रभारी एवं उप नर्सिंग अधीक्षक जेक्का प्रदीप कुमार ने कार्यपालक निदेशक को नई डिजिटल कार्यप्रणाली, बारकोड जनरेशन काउंटर, रक्त नमूना संग्रह क्षेत्र तथा बच्चों के लिए विकसित बाल-अनुकूल सैंपल कलेक्शन कक्ष का अवलोकन कराया। इस कक्ष में ऑडियो-वीडियो सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि बच्चों को रक्त नमूना देने के दौरान तनावमुक्त और सहज वातावरण मिल सके। समारोह में उप निदेशक (प्रशासन) लेफ्टिनेंट कर्नल धर्मवीर सिंह चौहान, अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर (डॉ.) विराट गल्होत्रा, उप चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर (डॉ.) सबाह सिद्दीकी, प्रोफेसर (डॉ.) मृत्युंजय राठौर, प्रोफेसर (डॉ.) तुषार जगजापे, डॉ. दिबाकर साहू, डॉ. रमेश चंद्राकर सहित संकाय सदस्य, नर्सिंग अधिकारी, प्रयोगशाला कर्मी तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950